Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

नये भारत की नई सोच

RNI NO. UPHIN/2018/76874

वर्ष: 6 अंक: 121 | रविवार, 04 मई -2025 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

पाकिस्तान की उड़ी नींद!

चार दिन लड़ने के लिए भी गोला बारूद नहीं ,भारत के वार से पहले ही थरार्या

नई दिल्ली।

इस कमी का कारण देश द्वारा यूक्रेन के साथ हाल ही में किए गए हथियार सौदे हैं, जिससे उसके युद्ध भंडार समाप्त हो गए हैं।सूत्रों का कहना है कि सेना को आपूर्ति करने वाली पाकिस्तान आयुध फैक्ट्रियों (पीओएफ) को बढ़ती वैश्विक मांग और पुरानी उत्पादन सुविधाओं के बीच आपूर्ति को फिर से भरने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। पाकिस्तान की सेना तोपखाने के गोला-बारूद की गंभीर कमी का सामना कर रही है, जिससे उसकी युद्ध क्षमताएँ गंभीर रूप से सीमित होकर केवल चार दिनों तक ही सीमित रह गई हैं।इस कमी का कारण देश द्वारा यूक्रेन के साथ हाल ही में किए गए हथियार सौदे हैं, जिससे उसके युद्ध भंडार समाप्त हो गए हैं।सूत्रों का कहना है कि सेना को आपूर्ति

करने वाली पाकिस्तान आयुध फैक्ट्रियों (पीओएफ) को बढ़ती वैश्विक मांग और पुरानी उत्पादन सुविधाओं के बीच आपूर्ति को फिर से भरने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। नतीजतन, पाकिस्तान के गोला-बारूद के भंडार केवल 96 घंटे के उच्च-तीव्रता वाले संघर्ष को झेल सकते हैं, जिससे उसकी सेना कमजोर हो जाती है। भारत की संख्यात्मक श्रेष्ठता का मुकाबला करने के लिए तेजी से लामबंदी पर केंद्रित पाकिस्तान का सैन्य सिद्धांत तोपखाने और बख्तरबंद इकाइयों पर टिका है। अपने टी109 हॉवित्जर के लिए पर्याप्त 155 मिमी के गोले या अपने इट-21 सिस्टम के लिए 122 मिमी रॉकेट के बिना, भारतीय आक्रमण को विफल करने की सेना की क्षमता गंभीर रूप से कम हो जाती है। अप्रैल 2025 में एक्स पर सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया गया था कि पाकिस्तान के तोपखाने-भारी सिद्धांत के लिए महत्वपूर्ण 155 मिमी तोपखाने के गोले यूक्रेन को भेज दिए गए थे, जिससे भंडार खतरनाक रूप से कम हो गया। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया पीओएफ, बढ़ती वैश्विक मांग और पुरानी उत्पादन सुविधाओं के बीच आपूर्ति को फिर से भरने के लिए संघर्ष कर रहा था। हालांकि, यूक्रेन को 155 एमएम गोला-बारूद की बिक्री के साथ, सभी 155 मिमी बंदूक प्रणाली, जिनमें उनके स्व-चालित और एमजीएस तोपखाने शामिल हैं, गोला-बारूद के पर्याप्त स्टॉक के बिना हैं।

बीएसएफ ने पाकिस्तानी रेंजर को पकड़ा कल जैसलमेर में धरा गया था करक जासूस

जयपुर।

सीमा सुरक्षा बल को आज एक बड़ी सफलता मिली है। यहां बीएसएफ के जवानों ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर एक पाकिस्तानी रेंजर को गिरफ्तार किया है। वहीं कल राजस्थान इंटेलिजेंस ने जैसलमेर से एक करक जासूस को गिरफ्तार किया है। पहलगाम हमले के बाद भारत का ताबड़तोड़ एक्शन जारी है। आज (शनिवार) राजस्थान के सीमावर्ती जिले श्रीगंगानगर से बीएसएफ के जवानों ने एक पाकिस्तानी रेंजर को पकड़ा है।

बताया जा रहा है कि पाकिस्तानी रेंजर गंगानगर से सटी भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था। मुस्तैदी से पहरा दे रहे बीएसएफ जवानों ने तुरंत पाकिस्तानी रेंजर को पकड़ लिया। हालांकि अभी तक आधिकारिक रूप से

बीएसएफ की तरफ से इस बारे में कोई बयान जारी नहीं किया गया है। ये कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार शॉ को पाकिस्तानी रेंजर्स ने 23 अप्रैल को पंजाब में भारत-पाक सीमा से पकड़ा था और भारतीय बल द्वारा दर्ज कराए गए कड़े विरोध के बावजूद उन्होंने उसे सौंपने से इनकार कर दिया था। हालांकि भारत की तरफ से कार्रवाई रूक नहीं रही है। बीते शुक्रवार को ही राजस्थान खुफिया विभाग ने जैसलमेर निवासी पठान खान को पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (करक) के लिए कथित तौर पर जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

रोमांचक मुकाबले में आरसीबी ने चेन्नई सुपर किंग्स को 2 रन से हराया

नई दिल्ली।

आरसीबी ने चेन्नई सुपर किंग्स को रोमांचक मुकाबले में दो रन से हराया। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2025 के 52वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 213 रन बनाए।जिसके जवाब में चेन्नई सुपर किंग्स ने बेहतरीन चेज किया लेकिन टीम 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 211 रन ही बना पाई।

शनिवार को आरसीबी ने चेन्नई सुपर किंग्स को रोमांचक मुकाबले में दो रन से हराया। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2025 के 52वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 213 रन बनाए।जिसके जवाब में चेन्नई सुपर किंग्स ने बेहतरीन चेज किया लेकिन टीम 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 211 रन ही बना पाई। वहीं आरसीबी की ये आठवीं जीत है और अब वह प्लेऑफ के करीब है। जबकि चेन्नई की ये 9वीं हार है। 214 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स को रशीद और आयुष ने अच्छी शुरूआत दिलाई।

भारत ने किया स्ट्रेटोस्फेरिक एयरशिप प्लेटफॉर्म का पहला उड़ान-परीक्षण

नई दिल्ली।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान से बढ़ते तनाव के बीच भारत ने रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए शनिवार को स्ट्रेटोस्फेरिक एयरशिप प्लेटफार्म का पहला उड़ान परीक्षण किया। इसे सेना की निगरानी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए विकसित किया जा रहा है। दुनिया के बहुत कम देशों ने यह उपलब्धि हासिल की है।रक्षा मंत्रालय ने कहा, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने तीन मई को मध्य प्रदेश के श्योपुर परीक्षण स्थल से स्ट्रेटोस्फेरिक एयरशिप प्लेटफार्म का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया।

16 राज्यों में गिरा पारा

उत्तराखंड-केरल के कई हिस्सों में बारिश

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, केरल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश समेत 16 राज्यों में शनिवार को कई जगह आंधी-बारिश और तेज हवाओं के कारण मौसम सुहाना बना रहा। इस दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और तेलंगाना में कुछ जगह ओलवृष्टि हुई और केरल, कर्नाटक के आंतरिक इलाकों और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले चार-पांच दिनों तक तकरीबन आधे देश में आंधी बारिश का यह दौर जारी रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, आगामी 7 मई तक उत्तर पश्चिम भारत में गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। अगले चार-पांच दिन मध्य, पूर्व, र प्रायद्वीपीय भारत में बिजली गिरने और ओलावृष्टि होने का पूवार्नुमान है। वहीं, 5 से 8 मई तक पूर्वोत्तर भारत में गरज के साथ भारी बारिश और बिजली गिरने के आसार हैं। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तरी पाकिस्तान और आसपास के क्षेत्रों में एक पश्चिमी विक्षोम सक्रिय होने और ऊपरी हवा का एक चक्रवाती परिसंचरण उत्तर-पश्चिमी राजस्थान और दूसरा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में स्थित होने से मौसम फिलहाल गर्मी से राहत देने वाला ही बने रहने का अनुमान है। मध्य प्रदेश के अशोक नगर जिले में आकाशीय बिजली गिरने से 38 बकरियों की मौत हो गई। यह घटना नईसराय थाना क्षेत्र के डुंगासरा गांव में हुई। नईसराय थाना प्रभारी पुनीत दीक्षित ने बताया कि दोपहर करीब 2 बजे बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आकर बकरियों की मौत हो गई। उस समय वहां पर कोई इंसान मौजूद नहीं था। आंधी बारिश के कारण पिछले 24 घंटों के दौरान मध्य प्रदेश के अधिकांश इलाकों में तापमान सामान्य से काफी नीचे रहा। राजस्थान के कई हिस्सों में आंधी-तूफान और बारिश के कारण पिछले 24 घंटों में तापमान में 2 से 10 डिग्री सेल्सियस तक की उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। झुंझुनू और उसके आसपास के इलाकों में शनिवार शाम ओलावृष्टि हुई। इस दौरान नागौर में 2 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि अन्य स्थानों पर 2 मिमी से कम बारिश हुई। राज्य में शनिवार को चित्तौड़गढ़ 43.6 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म रहा।

उत्तराखंड, केरल, कर्नाटक के कई हिस्सों में भारी बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक, पिछले 24 घंटों के दौरान तेलंगाना में कुछ स्थानों पर 70 से किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलीं। तमिलनाडु, पुडुचेरी, दक्षिण कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ आदि में धूल भरी हवाओं की गति 40 से 70 किमी प्रति घंटे तक दर्ज की गई। पूर्वी मध्य प्रदेश और तेलंगाना में कई जगह पर ओलावृष्टि भी हुई।

त्रिस्तरीय निगरानी में नीट-यूजी की परीक्षा आज

नई दिल्ली। नीट यूजी परीक्षा को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। देशभर की राज्य सरकारों को भी सतर्क कर दिया गया है। नीट-यूजी परीक्षार्थियों को कम से कम एक घंटा पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचने की सलाह दी गई है ताकि अंतिम समय की हड़बड़ी से बचा जा सके।एडमिट कार्ड और एक वैध फोटो पहचानपत्र के बिना परीक्षा हॉल में प्रवेश नहीं मिलेगा। स्मार्ट वाच या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लाने पर रोक रहेगी। मेडिकल के स्नातक पाठ्यक्रम के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यानी नीट-यूजी रविवार को होगी। यह पहला मौका है, जब इस परीक्षा की निगरानी के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा होगा। परीक्षा की पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए करीब 99 फीसदी केंद्र सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में बनाए गए हैं। तैयारियां कितनी पुख्ता हैं।

पीएम मोदी से मिले जम्मू-कश्मीर सीएम उमर अब्दुल्ला

नई दिल्ली।

भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को दिए गए सभी प्रकार के वीजा रद्द कर दिए और उन्हें 30 अप्रैल तक देश छोड़ने का आदेश दिया। भारत ने पाकिस्तानी एयरलाइनों द्वारा संचालित उड़ानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र भी बंद कर दिया।

जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और पिछले सप्ताह पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली बैठक है जिसमें 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास पर बैठक करीब 30 मिनट तक चली। आतंकी

हमले के बाद, भारत ने सीमा पार आतंकवाद को पाकिस्तान के समर्थन के जवाब में कई उपायों की घोषणा की। इनमें सिंधु जल संधि को निलंबित करना, अटारी में एकीकृत चेक पोस्ट को बंद करना और उच्चायोगों के कर्मचारियों की संख्या कम करना शामिल है। भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को दिए गए सभी प्रकार के वीजा रद्द कर दिए और उन्हें 30 अप्रैल तक देश छोड़ने का आदेश दिया। भारत ने पाकिस्तानी एयरलाइनों द्वारा संचालित उड़ानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र भी बंद कर दिया।

कूटनीति के जरिये तनाव कम करें भारत-पाकिस्तान

नई दिल्ली।

पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर भारत और पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर से बात की। उन्होंने शिमला समझौते और लाहौर घोषणापत्र के तहत कूटनीति के जरिये दोनों पड़ोसियों के बीच मतभेदों का समाधान करने का आह्वान किया।

रूसी दूतावास ने कहा कि लावरोव ने शुक्रवार को जयशंकर से फोन पर बातचीत की। उन्होंने रूस-भारत सहयोग पर चर्चा की। साथ ही पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान संबंधों में आई गिरावट पर भी बातचीत हुई।

रूस ने किया शांति का आह्वान

लावरोव ने 1972 के शिमला समझौते और 1999 के लाहौर घोषणापत्र के प्रविधानों के अनुसार द्विपक्षीय आधार पर राजनीतिक और कूटनीतिक तरीकों से मतभेदों को सुलझाने का आह्वान किया। दोनों मंत्रियों ने उच्च स्तरों पर संपर्क बनाए रखने पर भी चर्चा की। जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया, रूस के विदेश मंत्री लावरोव के साथ पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा की। इसके अपराधियों, समर्थकों और योजनाकारों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। साथ ही हमने द्विपक्षीय सहयोग के बारे में भी बात की। दोनों विदेश मंत्रियों के बीच वार्ता पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव की पृष्ठभूमि में हुई है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। इस भयावह हमले के पीछे सीमा पार संबंधों का हवाला देते हुए भारत ने इसमें शामिल लोगों को कड़ी सजा देने का संकल्प लिया है।

संपादक की कलम से

स्थानांतरण में आत्मबोध

प्रशासन में कर्म की परीक्षा कभी मुकम्मल नहीं होती, फिर भी व्यवस्था की आपूर्ति में अधिकारियों के जिम्मे किसी भी सरकार का पूरा कालखंड होता है। हर अधिकारी के फर्ज में सरकार का रुतबा गूंजता है और अगर यही नगीने खनक जाएं तो छवि की पताका पर संदेह होना लाजिमी है। सरकारों का अपना-अपना ट्रांसफर काल भी दिखाई देता है। हम इसे पटवारी से लेकर राज्य के मुख्य अधिकारी तक देख सकते हैं। लोग बेहतर समीक्षक होते हैं और कई बार सरकारों के ट्रांसफर आर्डरों का विरोध भी करते हैं, लेकिन जनापेक्षाएं भी सियासत की तरह अकसर मोम नहीं होतीं। नुकीले प्रश्नों की आबरू में सबसे ज्यादा पैमाइश और आजमाइश प्रशासनिक अधिकारियों की ही होती है, जहां हर पड़ाव एक ट्रांसफर है। जाहिर है धर्मशाला से भरमौर भेजे गए एसडीएम संजीव कुमार भोट के ट्रांसफर आर्डर भी पड़ाव रहे होंगे, लेकिन जिन संदेहों की बरसात हो रही है, उन्हें सिरे से नकारा भी नहीं जा सकता। भोट सिर्फ एक अधिकारी या सेवा काल का बिछौना नहीं कि चंद दिनों में किन्नौर, डोडरा-क्वार, धर्मशाला और अब भरमौर में प्रशासनिक अधिकारी बना कर बिछा दिया जाए। संजीव भोट से जुड़ी अपेक्षाएं एक आदमी से नहीं, उनकी क्षमता में अधिकार प्राप्त अधिकारी से हैं। जाहिर है सरकार को भरोसा है, इसलिए चौथी जगह एसडीएम बनाए गए, लेकिन बार-बार के स्थानांतरण उनके व्यक्तिगत व प्रशासनिक जीवन को कहीं न कहीं हास्यास्पद बनाते रहे हैं। यही वजह रही कि इस अधिकारी ने अपने क्षोभ की परिणति में पद से ही त्यागपत्र देकर अपनी प्रशासनिक कुंडली में विराम और सचिवालय की एक जुंडली में अविश्वास लिख दिया। यह कोई छोटी घटना नहीं, बल्कि इसने विमल नेगी से जुड़े संदेहास्पद घटनाक्रम में एक नया सवाल जोड़ दिया है। संजीव भोट के सजीव बोध को सौ फीसदी सत्य न मानें, लेकिन यह मंजर आत्म संतुष्टि का नहीं, आत्मचिंतन का जरूर है। अपने ट्रांसफर आर्डर को रेखांकित करते भोट ने जो सवाल उठाए हैं, उनके साथ प्रशासनिक अधिकारियों की एक रूठी हुई शाखा हो सकती है। कुछ तहें भले ही ढकी रहें, लेकिन सड़ांध को ढांपना मुश्किल है। क्यों एक अधिकारी के लिए नौकरी से इस्तीफा देना आसान हो गया और क्यों वह इस सुलूक को स्वर्गीय नेगी के मजमून तक ले गया। संजीव भोट को स्थानांतरित करना विशेषाधिकार रहा होगा या कुछ कारण भी गिने जा सकते हैं, लेकिन जनता की कचहरी में हर ट्रांसफर एक व्यक्ति नहीं नया विश्वास है। इसी परिप्रेक्ष्य में किसी स्कूल में ट्रांसफर आर्डर पर आनेवाला एक व्यक्ति नहीं, एक अध्यापक होता है। दुर्भाग्य से आजकल कर्मचारी-अधिकारी मोहरबंद होने लगे हैं। सरकारी नौकरी सियासी कैडर में विभक्त होने लगी है। अस्थायी सत्ता के करीब सरकारी कार्यसंस्कृति ने स्वयं को इतना कमजोर कर लिया है कि प्रशासनिक सेवाओं में लोग नेताओं के आगे पानी भरते दिखाई देते हैं। इसी संदर्भ में राजधानी की चुगलियां प्रदेश सचिवालय को ट्रांसफर का गढ़ नहीं बना सकतीं, यह असंभव है। हम तो चाहेंगे कि नेगी मौत की जांच के आसपास अगर अधिकारियों के मनोविज्ञान को पढा है, तो संजीव भोट के उद्वेलित प्रश्नों को भी परख लेना चाहिए। प्रदेश की प्रशासनिक छवि के लिहाज से अधिकारियों के आत्मबल को जगाना होगा। मनोवैज्ञानिक तौर पर अगर कोई अधिकारी ट्रांसफर परिपाटी से भयभीत होकर काम करेगा।

ललित शर्मा
संपादक

पहलगाम आतंकी हमला के हमास-आईएसआई कनेक्शन को समझिए और 'दक्षिणी रणनीति' को भेदिये!

देखा जाए तो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले ईसाई समुदाय ने दूसरी बड़ी आबादी मुस्लिम समुदाय को निबटाने के लिए आतंकवाद प्रोत्साहन जैसी अनोखी पहल की है, जिसके तहत अरब देश आपस में ही संघर्षरत हैं। कहीं अमेरिका, कहीं चीन, कहीं रूस, कहीं ब्रिटेन आदि की शह पर फलफूल रहा इस्लामिक आतंकवाद अब एक राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय एजेंडा बन चुका है, जो हथियार-गोलाबारूद और सुरक्षा उपकरण निमार्ता पूंजीवादी ताकतों को बेहद रास आ रहा है। ऐसा इसलिए कि हर विध्वंस के बाद होने वाले निर्माण से भी किसी न किसी रूप में पूंजीवादियों के ही कारोबार बढ़ते हैं। अलबत्ता शांतिप्रिय और प्रगतिशील देशों को इन वैश्विक षड्यंत्रों से निपटने के बारे में मौलिक रूप से सोचना होगा और जवाबी एहतियाती कार्रवाई करनी होगी, ताकि इनके नापाक मंसूबे कभी भी सफल नहीं हो सकें और ये आपस में ही लड़-भीड़ कर खत्म हो जाएं। देखा जाए तो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले ईसाई समुदाय ने दूसरी बड़ी आबादी मुस्लिम समुदाय को निबटाने के लिए आतंकवाद प्रोत्साहन जैसी अनोखी पहल की है, जिसके तहत अरब देश आपस में ही संघर्षरत हैं। इसके अलावा पड़ोसी मुस्लिम देश और अच्छी-खासी मुस्लिम आबादी वाले गैर मुस्लिम देश भी इनकी जद में आ चुके हैं। भारत उनमें से एक है। इधर ईसाईयों और यहूदियों के चालों से सजग मुस्लिम देशों व उनके संगठनों ने काफिर मुक्त विश्व का सपना देखा है, जिसमें गैर मुसलमानों के लिए कोई जगह नहीं है। उनकी इस नापाक सोच से भी भारत के हिन्दू सबसे ज्यादा पीड़ित हैं। कहना न होगा कि पहले औद्योगिक क्रांति और अब सूचना क्रांति से पैदा हुए पूंजीवाद के ऊपर सवार होकर ये जज्बातें दुनिया के एक बड़े भूभाग को तबाह किए हुए हैं पहले इंग्लैंड, फिर अमेरिका, उसके बाद रूस और अब चीन की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं ने इस कदर नैतिक-अनैतिक और प्रतिशोधी रूप में कट्टर इस्लाम मतावलम्बियों का सशत्र दुरूपयोग किया कि अब ये लोग भी दो-चार धड़ों में विभाजित हो चुके हैं और परस्पर खून-खराबे पर उतारू हैं। ऐसे में भारत की गुटनिरपेक्षता, उदारता और विश्वबंधुत्व की भावना ही उसके गले की हड्डी बन चुकी है। यही वजह है कि जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की तुलना अब 7 अक्तूबर 2023 को इजरायल पर हुए हमले से की जा रही है, जो अनायास नहीं है बल्कि इनके बीच कुछ लौकिक साम्यताएं भी दिखाई पड़ी हैं। पहलगाम आतंकी हमले वाले

दिन पर यदि गौर करें तो इजरायल पर हमले से पहले हमास नेताओं की तरह ही पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने इस आतंकी हमले से कुछ दिन पहले आतंकवादी समूहों को उकसाने के लिए जानबूझकर सांप्रदायिक हिंसा को भड़काने की कोशिश की थी। तब जनरल मुनीर इस्लामाबाद में ओवरसीज पाकिस्तानी कन्वेंशन (डढउ) में भीड़ के सामने खड़े हुए और कश्मीर को पाकिस्तान की ह्लगले की नसह्व बताते हुए विवादास्पद ह्यदो-राष्ट्र सिद्धांतह्व का हवाला दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने हिंदू-मुसलमान कार्ड भी खेला और पाकिस्तानियों को हिदुस्तानियों से अलग बताया।

इसलिए सवाल उठ रहे हैं कि आखिर अरब आतंकवादी/उग्रवादी संगठन हमास की राह पर ही क्यों चल रही है पाकिस्तानी सेना और इसके क्या-क्या दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं? कहना न होगा कि इस समय पाकिस्तानी सेना का हाल लगभग वैसे ही है, जैसे 7 अक्तूबर 2023 के हमले के वक्त हमास का था। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के बढ़ते हमले, बलूचिस्तान में बढ़ते विद्रोह और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में बंद होने के बीच राजनीतिक अस्थिरता ने जनरल मुनीर की सत्ता पर पकड़ को नाटकीय रूप से कमजोर कर दिया है। पाकिस्तानी सेना के जनरल चुपचाप मुनीर के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। ऐसे में जनरल मुनीर को कश्मीर मुद्दे को हाईलाइट कर पाकिस्तानियों का ध्यान भटकाने की जरूरत थी। ठीक वैसे ही हमास ने भी गाजा के कुप्रबंधन से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए इजरायल पर हमला किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कम से कम जनता की भावना उसके पक्ष में हो। ऐसे में यह समझना बेहद जरुरी है कि इस मुताल्लिक गढ़ी गई आईएसआई की ह्लदक्षिणी रणनीतिह्व क्या है और भारत पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? क्योंकि 26/11 मुंबई हमलों के सूत्रधार तहव्वुर राणा के आसन्न प्रत्यर्पण ने जनरल मुनीर की कमजोरी को और बढ़ा दिया, जिससे आतंकवाद में पाकिस्तानी सेना की दशकों पुरानी मिलीभगत उजागर होने का खतरा पैदा हो गया है। खुफिया सूत्रों ने संकेत दिया कि आईएसआई ने कश्मीर में नए घुसपैठ की सावधानीपूर्वक तैयारी शुरू कर दी थी। जम्मू के सामने लॉन्च पैड पर लगभग 100 आतंकवादी जमा थे, जो पाकिस्तानी आईएसआई की भयावह ह्लदक्षिणी रणनीतिह्व के लिए तैयार थे। वहीं पहलगाम आतंकी हमले के बाद पैदा हुई भयावह परिस्थियों के बीच पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने आतंकवादियों को वित्त पोषण देने की तीन दशकीय रणनीति भी स्वीकार की है, जिससे भारत और ज्यादा सजग और आक्रामक हुआ है। सीधा सवाल है कि आखिर पहलगाम हमले का हमास से क्या संबंध है? तो यहाँ पर यह जानना जरुरी है कि जब 22 अप्रैल 2025 की दोपहर को पहलगाम की सुंदर बैसरन घाटी की सुंदरता का आनंद ले रहे पर्यटकों पर चार से पांच आतंकवादियों ने हमला किया था, तो इस दौरान उन्होंने पर्यटकों से इस्लामिक आयतें पढ़ने को कहा, और ऐसा नहीं करने वालों को तुरंत गोली मार दी। बता दें कि यह यहूदी नागरिकों के खिलाफ हमास के इस्तेमाल किए गए धर्म आधारित हमले का नकल था। जिसमें हमलावरों ने अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया, जिसमें अमेरिकी निर्मित एम4 कार्बाइन और एके-47 असॉल्ट राइफलें थीं, जो पाकिस्तानी आतंकवादी समूहों की पहचान है। इससे ही जुड़ा हुआ सवाल यह है कि क्या कश्मीरी आतंकवादी संगठन लश्कर ए तैय्यबा ने पाकिस्तानी सेना के साथ मिलकर यह साजिश रची, तो जवाब यही होगा कि हाँ, इस हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट (ळफऋ) ने ली, जो लश्कर-ए-तैयबा (छीळ) का एक प्रॉक्सी संगठन है। टीआरएफ को पाकिस्तान की आईएसआई ने अनुच्छेद 370 के बाद जानबूझकर वैश्विक आतंकवाद विरोधी निगरानी संस्था एफएटीएफ की जांच से बचने के लिए बनाया था। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने 7 अक्टूबर 2023 से पहले हमास की इसी तरह की ऑनलाइन लामबंदी रणनीति के समानांतर टीआरएफ की एन्क्रिप्टेड डिजिटल भर्ती पर बारीकी से नजर रखी थी, जिससे यह सबकुछ संभव हो पाया।

आखिर में सवाल यह भी है कि पहलगाम हमले का खास उद्देश्य क्या था और क्या आतंकवादी अपने ध्येय में सफल रहे तो यहाँ पर यही कहना उचित होगा कि यह हमला हमास के हमले से भयावह समानता रखता है, जिसमें प्रतीकात्मक स्थानों पर नागरिकों को निशाना बनाना शामिल था। इसका उद्देश्य न केवल मारना था बल्कि मनोवैज्ञानिक रूप से कश्मीर की अर्थव्यवस्था को तबाह और अस्थिर करना था। जिस तरह हमास ने दक्षिणी इजरायल में शांति के प्रतीक एक संगीत समारोह को निशाना बनाया, उसी तरह द रेजिस्टेंस फ्रंट ने कश्मीर के पुनरुत्थान और सांप्रदायिक सद्भाव के प्रतीक पहलगाम पर जानबूझकर हमला किया। कश्मीर में रिकॉर्ड पर्यटन हुआ था, जिसे आतंकवादियों ने पटरी से उतारने की कोशिश की। इस प्रकार आतंकवादी अपने क्षणिक उद्देश्य में सफल रहे, जबकि भारतीयों का धैर्य उन्हें लम्बी रणनीतिक मात देगी ऐसा इसलिए कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही पाकिस्तान को भारत की जवाबी सैन्य कार्रवाई का डर सता रहा है। इस कारण पाकिस्तान ने भारत से लगी सीमा पर न सिर्फ सैनिकों की तैनाती को बढ़ा दिया है, बल्कि भारी मात्रा में हथियारों और गोला-बारूद को जमा किया है। बताया जा रहा है कि पहलगाम हमले की साजिश पाकिस्तानी सेना और आईएसआई ने मिलकर रची थी, जिसकी अब उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत अब यह समझ चुका है कि लातों के भूत बातों से नहीं मानेंगे। इसलिए वह धैर्य पूर्वक ठोस कार्रवाई करेगा, ताकि भारत को ज्यादा क्षति नहीं उठानी पड़े। इधर, भारतीय भी अब यह समझ चुके हैं कि दुनिया की तीसरी बड़ी आबादी हिन्दुओं को दबाए रखने और उन्हें समाप्त किए जाने का अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्र सदियों से चल रहा है। इसलिए वो अपनी जातीय कमजोरियों को तिलांजलि देंगे और मजबूती पूर्वक बदला लेंगे। हिन्दू अब यह बात भी जानने-समझने में लगे हुए हैं कि आसेतु हिमालय यानी हिमालय से दक्षिण में अफगानिस्तान से म्यांमार तक, जो प्राचीन सनातनी यानी हिन्दू भूमि रही है, इसे यदि विदेशी आक्रांताओं व उनके मूल वंशजों को बाहर नहीं किया गया तो ये अमनचैन से जीने नहीं देंगे। आज नहीं तो कल भारत हिन्दू राष्ट्र भी बन जायेगा। लेकिन अब हिंदुस्तान में पाकिस्तान प्रवृत्ति विरोधी राजनीति गति पकड़ेगी और वक्त ऐसा प्रधानमंत्री पैदा करेगा जो पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बंगलादेश के अलावा उन सभी पड़ोसियों को भारत में मिला देगा जो भारत विरोधी भाषा बोलेगा। भारत के लिए यह मुश्किल कार्य नहीं है, बल्कि इस हेतु सेना और पुलिस को नए सिरे से प्रतिबद्ध बनाने की जरूरत है। उससे पहले राजनीतिक माहौल बदलने की आवश्यकता है। आईएसआई की दक्षिण रणनीति को इससे बेहतर जवाब कुछ हो ही नहीं सकता। न रहेगा बांस, न बजेगी बांसुरी।

संजीव ठाकुर

घर तो बुजुर्गो के साये से बनता है

कविता

स्वप्न में आकाश सी ऊंचाई होनी चाहिए,
दिल में सागर सी गहराई होनी चाईये,

कल इतिहास बनेगा या भविष्य,
आँखों में इतनी बिनाई होनी चाहिये
बिनाई– निपुणता,

घर तो बुजुर्गो के साये से ही बनता है,
उनकी इज्जत अफजाई होनी चाईये।

गर ईश्वर में विश्वास हो पक्का तो
पवित्र गीता सी सच्चाई होनी चाहिए।

पड़ोसी खुन के रिश्तों जैसे होते हैं,
इन रिश्तों में गरमाई होनी चाहिए।

गर्भ में पलते बच्चे का भविष्य क्या हो
सद कर्मों की उसमें परछाई होनी चाहिए।

मुद्दतों बाद मिला है आज पुराना दोस्त,
खुशबुओं की खुशनुमाई होनी चाहिए,

जिसने वतन की खातिर खून बहाया,
वतन परस्ती की भरपाई होनी चाहिये,

विरासत सहेजने में संजीदगी का सवाल

किसी भी देश या समाज की धरोहर उसके लिए न केवल गर्व का विषय, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी होती है। ये धरोहरें ही हैं जो राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आदि सभी क्षेत्रों में नागरिकों का मार्ग प्रशस्त करती हैं। वैसे ये मुख्य रूप से दो प्रकार की होती हैं- मूर्त और अमूर्त। मूर्त धरोहर हमारी वे विरासत होती हैं, जो दृश्यमान होती हैं, जिन्हें हम देख सकते हैं, यानी विशाल भवन, मंदिर, ऐतिहासिक स्थल, स्मारक, हस्तशिल्प, साहित्य, किले आदि। वहीं, अमूर्त धरोहरें हमारी समृद्ध परंपरा, लोकगीत, लोक-कथाएं, विश्वास, ज्ञान, भाषा और संस्कार आदि होती हैं। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक परिषद (यूनेस्को) ने धरोहर ने धरोहरों को तीन प्रकार का बताया है- प्राकृतिक विश्व धरोहर श्रेणी, सांस्कृतिक विश्व धरोहर श्रेणी और मिश्रित विश्व धरोहर श्रेणी । इतिहास, सभ्यता, संस्कृति और हमारी पहचान को बनाए रखने में इन धरोहरों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होती है। इसलिए इनके संरक्षण का दायित्व केवल सरकारों या यूनेस्को जैसी वैश्विक संस्थाओं का नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को इनके संरक्षण को लेकर सावधान और र जागरूक रहने की आवश्यकता है।

देखा जाए तो ये धरोहरें किसी भी राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य की नींव होती हैं। ये हजारों वर्षों के ज्ञान, अनुभव और स्मृतियों का अनमोल उपहार या कहें कि खजाना होती हैं। मानव है। समाज की सामाजिक एवं सांस्कृतिक का परिचायक भी होती हैं। हमारी धरोहर हमें इतिहास से जोड़ती विविधता का है। ।किसी भी देश और समाज की पहचान, वहां की सभ्यता, सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास आदि की न केवल जानकारी इन धरोहरों के माध्यम से प्राप्त होती है, बल्कि ये उन्हें हमेशा सजीव बनाए रखने का कार्य भी करती हैं। मानव सभ्यता और संस्कृति की 'मूल' ये धरोहरें अब हमारे गौरव और पहचान का ही नहीं, बल्कि आर्थिक समृद्धि का भी जरिया बन रही हैं। दरअसल, इन धरोहरों को देखने और समझने के लिए र लाखों पर्यटक प्रति वर्ष एक राज्य से दूसरे राज्य और एक देश से दूसरे देश की यात्रा करते हैं। इतना ही नहीं, ये धरोहर विभिन्न देशों, महाय भिन्न देशों, समाज, समुदायों, सभ्यताओं और संस्कृतियों के बीच बेहतर संबंध बनाने में भी बड़ी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कई बार तो दो देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों को भी ये मधुर एवं सुगम बनाने में सहायक साबित होती हैं। सच कहा जाए तो, इन सभी विशेषताओं के कारण ही आज दुनिया भर में धरोहरों के प्रति लोगों की ओर से प्रायः सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाए जाने लगे हैं। ड्ड विश्व धरोहर दिवस की की स्वीकत किए गए एक परत आत यूनेस्को द्वारा 1983 के अप्रैल महीने में से ई थी। इसके अंतर्गत 'अंतरराष्ट्रीय स्मारक

एवं स्थल परिषद' (आइसीओएमओएस) की ओर से यह मांग की गई थी कि विश्व की सभी सांस्कृतिक, प्राकृतिक एवं मिश्रित धरोहरों के संरक्षण और उनके प्रति सामान्य स्तर पर मानवीय जागरूकता का प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रत्येक वर्ष 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस मनाने का प्रावधान किया जाए। यूनेस्को ने भविष्य की पीढ़ियों को अपने पुरखों से मिली सांस्कृतिक धरोहरों से परिचय कराने तथा उनके प्रति प्रेम का भाव जगाने के लिए इस दिवस की रूपरेखा तैयार की और 'विश्व विरासत या धरोहर दिवस' के रूप । इसे मान्यता प्रदान की थी तब से प्रति वर्ष 'विश्व धरोहर दिवस' या 'विश्व स्मारक एवं स्थल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। सामान्यतः यूनेस्को द्वारा प्रति वर्ष एक खास दिन यानी 18 अप्रैल को विश्व के ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया जाता है और लोगों को इनके संबंध में बताया जाता है। इनके संरक्षण एवं संवर्द्धन पर चर्चा की जाती है। साथ ही, इसी भावना के अनुरूप यूनेस्को द्वारा दुनिया भर की विभिन्न धरोहरों को चिह्नित कर उनकी एक 'विश्व धरोहर सूची' भी बनाई जाती है। इस सूची में शामिल की जाने वाली धरोहरों के संरक्षण के लिए यूनेस्को की ओर से सहायता भी दी जाती है। हालांकि, विश्व धरोहर दिवस मनाने को लेकर पहला प्रयास 1972 स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान किया गया, जब संयुक्त राष्ट्र की मौजूदगी में विश्व प्रसिद्ध भवनों एवं प्राकृतिक स्थलों की रक्षा के लिए चर्चा की गई। फिर एक प्रस्ताव पारित हुआ और विश्व के लगभग सभी देशों ने मिल कर दुनिया भर के ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहरों को बचाने की शपथ ली। इस प्रकार, 'यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर' अस्तित्व में आया। उसके बाद 18 अप्रैल, 1978 को पहली बार विश्व कुल बारह स्थलों को विश्व विरासत स्थलों की सूची में शामिल किया गया। तब इस दिन को 'विश्व स्मारक दिवस' के रूप में मनाया जाता था। में यूनेस्को द्वारा स्वीकृत कुल 43 विश्व धरोहर स्थल हैं, जिनमें से 35 सांस्कृतिक महत्त्व के लिए नामित हैं, जबकि सात स्थल प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व भर में पहचाने जाते हैं। वहीं, एक अन्य विश्व धरोहर स्थल को संस्कृति एवं प्रकृति के मिश्रित स्वरूप के लिए दुनिया भर में सराहा जाता है, और वह है- कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान दुनिया में केवल पांच देश ऐसे हैं, जिनके पास भारत से अधिक विश्व धरोहर स्थल मौजूद हैं। हमारे लिए गर्व की बात यह भी है कि यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के छियालीसवें सत्र का आयोजन पिछले वर्ष भारत की राजधानी दिल्ली में किया गया, जिसकी अध्यक्षता भारत ने की। पिछले वर्ष 26 को' असम में मोइदाम' को विश्व धरोहर समिति द्वारा भारत के तैंतालीसवें यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में चिह्नित किया गया। यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों में शामिल होने वाले असम के ये मोइदाम राज्य के पहले सांस्कृतिक स्थल हैं। चराइदेव या चराइदेओ जिले में स्थित मोइदाम, अहोम राजवंश के अहम स्थल हैं, जिनमें ताई- अहोम के राजाओं और राजघराने के सदस्यों के अवशेष दफ्न हैं। ये मोइदाम पिछली छह शताब्दियों में अहोम राजवंश की सांस्कृतिक एवं वास्तु कला की प्रगति के प्रमाण रहे हैं।

विजय गर्ग

वैदिक एवं पश्चिमी वैचारिकता में अंतर्द्वंद।

भारतीय संस्कृति हमें अपने भारतीय होने का एहसास कराती है। जो हमें विश्व के अन्य देशों से विकास की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत में अनेक परंपराएं ऐसी हैं जो सामाजिक जीवन को अधिक सभ्य एवं अच्छा इंसान बनाए रखने में योगदान देती है। जिनसे मनुष्यता का जीवन जीने की प्रेरणा भी मिलती है। यांत्रिक उपकरणों की तरह जिंदगी जीना भी कोई जीना है। यह भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य का घालमेल ही है जो मनुष्य के जीवन को यंत्रवत बना देता है। जो आने वाले कल के लिए घातक भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन की कुछ विशेषताएं भी हैं, जो हमारे विचारों को अधिक तार्किक तथा बौद्धिक बनाती है। जिससे हम अपना जीवन कार्तिक तथा बौद्धिक बना सकते हैं। जिन्हें हम अपने जीवन में क्रियान्वित कर अपने मनुष्य जाति के जीवन को अधिक सार्थक एवं सुलभ बना सकते हैं। निसंदेह हमें रूढ़ीवादी या एकदम पुरातन पंथी संस्कृति से लगाव न रखकर पाश्चात्य संस्कृति के जो फायदे हैं, उन्हें अपनाकर अपना जीवन सरल सार्थक एवं सुगम बना सकते हैं। विवेकानंद जी ने कहा है कि वीणा के तार को इतना भी ना कसो कि वह टूट जाए, और इतना भी ढीला छोड़ो कि वह बज भी ना पाए, मूलतः हमें दोनों संस्कृतियों की समग्र अच्छाइयों को आत्मसात कर उनकी बुराइयों को त्यागना होगा तब ही जीवन सफल हो सकेगा।

भारतीय संस्कृति अध्यात्म प्रधान है। जबकि पश्चिमी सभ्यता भौतिकता लिए होती है, और उसमें भौतिकता की प्रधानता होती है। आध्यात्मिक प्रधान संस्कृति से तात्पर्य भौतिकता वादी दृष्टिकोण से दूर रहकर भौतिकता वादी होने का ही है। प्राचीन काल से ही भारत देश में 'अतिथि देवो भव' और 'वसुधैव कुटुंबकम' वाली संस्कृति रही है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर, विश्वास, भावना, आस्था, धर्म, रीति रिवाज जैसे तथ्यों से भरी पड़ी है। धर्म प्रधान संस्कृति होने के कारण ही इसे आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाला देश माना गया है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में यदि कहें तो ईश्वरत और त्याग पर्यायवाची शब्द है। संस्कृति और सदाचार उसकी बाह्य अभिव्यक्तियाँ है। परंपरागत दृष्टिकोण से हम अपने धार्मिक तथा अध्यात्मिक दर्शन को लेकर बहुत हद तक अपने आप को एवं देश को महिमामंडित करने में लगे रहते हैं। किंतु आज आवश्यकता इस बात की है कि हमें पूर्ण रूप से आध्यात्मिक ना होकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर इस तथ्य का मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि 21 सदी में पांचवी एवं छठवीं सदी की मान्यताएं तथा परंपराएं जारी रख उन्हें अपना सकते हैं क्या?, आज जब दुनिया वैज्ञानिक चमत्कारों से भरी पड़ी है। दुनिया विज्ञान की प्रगति से चांद तो क्या सूर्य को भी खंगालने का प्रयास कर रही है। मानव का क्लोन बनाकर ईश्वर की सत्ता को चुनौती देने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में धार्मिक संस्कृति तथा आध्यात्मिकता को आवश्यकता से अधिक महत्व एवं परंपरा में लाना प्रासंगिक एवं तार्किक होगा। निसंदेह नहीं। पाश्चात्य दर्शन भौतिकता प्रधान एवं वैज्ञानिक संस्कृति है। भौतिकता प्रधान युग से तात्पर्य ऐसी परंपरा जो यथार्थवादी दृष्टिकोण को सर्वाधिक महत्व देती है। वैसे ही भौतिकता का सामान्य मतलब इंद्रिय बोध से साक्षात संबंध रखने वाली वस्तु से है, अर्थात जो वास्तविकता है एवं यथार्थ है वही पाश्चात्य दर्शन है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

पशु क्रूरता निवारण समिति की जिलाधिकारी ने ली बैठक

वेलकम इंडिया

बागेश्वर, गोविन्द मेहता,जिलाधिकारी आशीष भटगांई की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जिले में संचालित एवं निमार्णाधीन गौसदनों की स्थिति और ग्राम्य गौसेवक-गौसदन योजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की तथा पशु क्रूरता से संबंधित मामलों के प्रभावी समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ.योगेश चंद्र भारद्वाज ने बताया कि वर्तमान में जिले में तीन पंजीकृत गौसदन संचालित हैं, जिनमें 254 निराश्रित पशुओं की देखरेख की जा रही है। मनकोट व जैसर में नए गौसदनों के निर्माण के प्रस्ताव प्रक्रियाधीन हैं और दो अन्य स्थानों पर गौसदन खोलने के प्रस्ताव भी प्राप्त हुए हैं।इसके अतिरिक्त, ग्राम्य गौसेवक-गौसदन योजना के तहत सात आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिलाधिकारी ने गौ संरक्षण के कार्य में तेजी लाने पर जोर देते हुए प्रस्तावित नए गौसदनों के संचालन की कार्यवाही जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक निराश्रित पशुओं को आश्रय मिल सके। कहा कि गौसदन केवल आश्रय स्थल नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व के प्रतीक हैं, और इनकी संचालन व्यवस्था को मजबूत बनाना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पशु क्रूरता से संबंधित मामलों का समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे ग्राम स्तर पर पशु संरक्षण संबंधी जागरूकता अभियान चलाएं और आमजन को पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की जानकारी दें। जिलाधिकारी ने पशु चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नर गौवंश पंजीकरण के लिए न्याय पंचायतों में समय-समय पर गोष्ठियां और जागरूकता अभियान चलाएं। उन्होंने ग्राम्य गौसेवक-गौसदन योजना को एक अच्छी पहल बताते हुए इसके व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार के निर्देश दिए और आम जनता से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की। बैठक के दौरान गौसदन संचालकों ने समिति के समक्ष अपने अनुभव और समस्याएं साझा की। जिलाधिकारी ने सभी विषयों को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से गौसदनों का निरीक्षण करें, संचालन में आ रही दिक्कतों की पहचान करें और शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। और कहा कि यदि गौसदन संचालकों को किसी प्रकार के प्रशिक्षण की आवश्यकता हो, तो उसकी व्यवस्था भी की जाए। उन्होंने गौसेवा को सेवा का माध्यम बताते हुए इसमें समर्पण और संवेदनशीलता से कार्य करने का आह्वान किया।

मेधावी छात्रों को डीएम ने किया सम्मानित

वेलकम इंडिया

बागेश्वर, गोविन्द मेहता,उत्तराखंड परिषदीय परीक्षा हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा में राज्य स्तरीय श्रेष्ठता सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को जिला कार्यालय में सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी आशीष भटगांई की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में हाईस्कूल के 27 और इंटरमीडिएट के 6 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने सभी सम्मानित बच्चों और उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि इन बच्चों की उत्कृष्ट उपलब्धि से पूरे जनपद का नाम रोशन हुआ है। जिलाधिकारी ने मेधावी विद्यार्थियों से संवाद किया, उनकी जिज्ञासाओं भरे प्रश्नों के धैर्यपूर्वक उत्तर दिए और उन्हें विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी साझा की। बच्चों को प्रेरित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि आज के आधुनिक युग मे सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा से गुजरना पड़ता है।जीवन में कई चुनौतियां आएंगी, जिनसे पार पाने के लिए लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने जीवन में तटस्थ भाव, अनुशासन के साथ स्ट्रांग विल पावर और दृढ़ता के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने सकारात्मक सोच रखते हुए अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर कार्य करने की सलाह दी और जीवन में आने वाले कठिनाइयों से न घबराने, बल्कि उन्हें सहर्ष स्वीकार करते हुए आ रही बाधाओं के हल के लिए जीवन मे नित्य नई प्रेरणा केने लेने की बात कही। उन्होंने विद्यार्थियों को किसी भी विषयवस्तु को केवल रटने के बजाय उसकी गहराई को समझने पर बल देने के लिए प्रेरित किया इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी ने भी सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी सफलता पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह समय प्रतिस्पर्धा का है और हमें इस प्रतिस्पर्धा के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हम जिस भी क्षेत्र में आगे बढ़ें, उस क्षेत्र की आधारभूत जानकारी और समझ होना अत्यंत आवश्यक है।

केवल अपना लक्ष्य कठिन मेहनत और लक्ष्य प्राप्ति को अपने मन मे केंद्रित रखते हुए जीवन मे सफलता प्राप्त करने की बात कही।

डीएम ने सांथा विकासखंड अंतर्गत परसामाफी मंदिर (महाराज जी की छावनी) पहुंचकर सुविधाओं का लिया जायजा

वेलकम इंडिया

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार द्वारा सांथा विकासखंड अंतर्गत परसामाफी मंदिर (महाराज जी की छावनी), सद्भाव मंडपम, पाइप्ड पेयजल योजना अंतर्गत निर्मित ओवरहेड टैंक का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने परसामाफी मंदिर (महाराज जी की छावनी) पहुंचकर निरीक्षण के दौरान राजकीय विद्यालय परसामाफी से महाराज जी की छावनी तक सड़क का चौड़ीकरण करने हेतु कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया। परसामाफी में निर्मित सद्भाव मंडपम के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आवश्यक कार्य पूर्ण कर जिला पंचायत को हैंडओवर करने हेतु संबंधित को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत द्वारा कराए जा रहे अंत्येष्टि स्थल का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी द्वारा तालाब एवं मंदिर का जीर्णोद्धार कराए जाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने परसामाफी में जल निगम विभाग द्वारा संचालित पाइप्ड पेयजल योजना के अंतर्गत निर्मित ओवरहेड टैंक का भी निरीक्षण किया तथा प्रत्येक घर को पानी के कनेक्शन से आच्छादित करने हेतु संबंधित संस्था को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गांव में संचालित योजनाओं की भौतिक प्रगति की समीक्षा की और ग्रामवासियों से सीधा संवाद कर जमीनी हकीकत जानी। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय निर्माण, सड़क निर्माण और अन्य बुनियादी सुविधाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की भी जांच की। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पारदर्शिता और समयबद्धता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुसार विभिन्न विभागों द्वारा संचालित समस्त जनकल्याणकारी एवं लाभार्थीपरक योजनाओं का लाभ आम जनमानस को मिलना चाहिए। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी मेहदावल संजीव राय, जिला पंचायत राज अधिकारी, खंड विकास अधिकारी श्वेता वर्मा, अधिशाषी अभियंता, महाप्रबंधक सेतु निगम सहित संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

बागपत के विपुल जैन को केटी विंग फाउंडेशन ने किया सम्मानित

वेलकम इंडिया

बागपत, उत्तर प्रदेश। केटी विंग फाउंडेशन द्वारा जनपद बागपत के पिलाना गांव में भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में इंटरनेशनल अवार्डी, महामहिम राष्ट्रपति भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार विपुल जैन बागपत को सम्मानित किया गया। केटी विंग फाउंडेशन के संस्थापक कपिल त्यागी उर्फ केटी भईया ने विपुल जैन को पटका पहनाकर व भगवान परशुराम जी की भव्य प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। केटी भईया ने बताया कि विपुल जैन को यह सम्मान भगवान परशुराम जी व सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने के लिए प्रदान किया गया है। विपुल जैन ने इस अवसर पर भगवान परशुराम जी के चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि भगवान परशुराम जी शास्त्र एवं शस्त्र विद्या के पूर्ण ज्ञाता रहे हैं। प्राणी मात्र का हित ही उनका सर्वोपरि लक्ष्य रहा। वह तेजस्वी, ओजस्वी, वर्चस्वी महापुरुष हैं। न्याय के पक्षधर होने के कारण भगवान परशुराम जी हमेशा अन्याय का विरोध करते रहे। भगवान परशुराम जी ने सदैव दीन दुखियों, शोषितों और पीड़ितों की निरंतर सहायता और रक्षा की है। हमें भगवान परशुराम के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। कहा कि भगवान परशुराम जैसी महान विभूतियों के जीवन से प्रेरणा लेते हुए व अपने जीवन को सार्थक बनाते हुए समस्त समाज में एकता व अखंडता की मिशाल कायम करनी चाहिए। विपुल जैन ने केटी विंग फाउंडेशन द्वारा सम्मानित किये जाने के लिए फाउंडेशन के संस्थापक कपिल त्यागी उर्फ केटी भईया का धन्यवाद अदा किया और उनका आभार व्यक्त किया। विपुल जैन ने कहा कि मेरी इस उपलब्धि में वे सभी महान लोग बराबर के साझेदार है, जिनके सहयोग, आशीर्वाद और प्रार्थनाओं से वर्ष 2023-2024 में मुझे नवजीवन प्राप्त हुआ।

शैक्षिक गुणवत्ता के साथ-साथ विशिष्ट बच्चों पर फोकस करें-जेडी

वेलकम इंडिया

संत कबीर नगर। शनिवार को संयुक्त शिक्षा निदेशक ओम प्रकाश मिश्रा ने ए. एच. एग्री. इंटर कालेज दुधारा का औचक निरीक्षक किया। निरीक्षण के दौरान सभी कर्मचारी उपस्थित मिले और कक्षाओं का संचालन सुचारू रूप से होता पाया गया। एमडीएम की व्यवस्था भी बेहतर रही। विद्यालय के शैक्षिक माहौल व साफ सफाई की प्रशंसा की। निरीक्षक के उपरांत प्रधानाचार्य कक्ष में संपूर्ण स्टाफ के साथ मीटिंग की। मीटिंग के दौरान संयुक्त शिक्षा निदेशक ओम प्रकाश मिश्रा ने कहा कि आज यूपी बोर्ड परीक्षाओं की साख है। भारतीय प्रशासनिक सेवा में सर्वाधिक बच्चे यूपी बोर्ड से ही चयनित हो रहे है। शिक्षक मिल जुलकर टीम भावना के साथ काम करें। पठन पाठन की गुणवत्ता को सुधारें। कुछ विशिष्ट बच्चों पर विशेष फोकस करें।

विद्यालय की प्रतिष्ठा बढ़ेगी तो छात्र संख्या भी बढ़ेगी और अच्छे विद्यार्थी प्रवेश लेंगे।

वक़्फ बिल मुसलमानो के हक में- शफाअत हुसैन

वेलकम इंडिया

संतकबीरनगर। शनिवार सेमरियावा ब्लाक के ग्राम सेहुड़ा के प्राथमिक विद्यालय में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के वक्फ विकास निगम के निदेशक एवं निवर्तमान राष्ट्रीय मंत्री भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा शफाअत हुसैन उपस्थित रहे। साथ में विशिष्ट अतिथि के रूप में निवर्तमान सदस्य संचार मंत्रालय भारत सरकार व पूर्व प्रदेश मंत्री भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा मोहम्मद अनीस व पूर्व सदस्य उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड जिगार्मुद्दीन खान उपस्थित रहे । उत्तर प्रदेश सरकार के वक्फ विकास निगम के निदेशक एवं निवर्तमान राष्ट्रीय मंत्री भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा शफाअत हुसैन ने छात्रों को खूब मेहनत करने की सलाह दी और उनके अभिभावकों से भी वार्ता की । निवर्तमान सदस्य संचार मंत्रालय भारत सरकार व पूर्व प्रदेश मंत्री भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा मोहम्मद अनीस ने भी छात्रों को अनुशासन में रहकर और अपने गुरुओं का सम्मान कैसे किया जाए इस पर जोर दिया। पुरस्कार पाकर छात्रों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इसके बाद ग्राम प्रधान अफजाल अहमद के आवास पर अल्पसंख्यक समाज के बुद्धिजीवियों से वार्ता की जिसमें शफाअत हुसैन ने कहा कि वक्फ बिल पर मुसलमानों को परेशान होने की जरूरत नहीं है यह मुसलमानों के हक में है और इस बिल से आने वाले समय में जरूरतमंद अल्पसंख्यकों का भला होगा । इसी बैठक में मोहम्मद अनीस ने लोगों को बताया कैसे एक राष्ट्र एक चुनाव से देश पर चुनाव में आने वाला आर्थिक बोझ कम होगा और उस पैसे से देश का विकास होगा और विकास के कार्य तेजी से होंगे जो कार्य बार बार चुनाव होने के कारण समय से पूरे नहीं हो पाते वो समय से पूरे हो सकेंगे ।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने सम्पूर्ण सुनी जनता की समस्याएं

वेलकम इंडिया

संतकबीरनगर। शनिवार को जिलाधिकारी आलोक कुमार व पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता ने सम्पूर्ण समाधान दिवस पर संयुक्त रुप से तहसील खलीलाबाद पर पहुंचकर पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जहां पर फरियादियों से उनकी समस्याओं को मौके पर सुना गया तथा वहां मौजूद संबंधित राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों को मौके पर जाकर शिकायतों का शत प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। राजस्व और पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों का निस्तारण आपसी सामंजस्य से सुनिश्चित किया जाये, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। तत्पश्चात वहां मौजूद शिकायत पंजिका का निरीक्षण करते हुए निस्तारित हो चुकी शिकायतों के संबंध मे फीडबैक भी लिया गया। इस अवसर पर राजस्व व पुलिस के अन्य अधिकारी / कर्मचारीगण मौजूद रहे।

डीएम की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का अयोजन किया गया

वेलकम इंडिया

बुलंदशहर जिलाधिकारी श्रुति की अध्यक्षता में तहसील सदर के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का अयोजन किया गया। समाधान दिवस में 50 फरियादियों द्वारा अपनी समस्याओं के प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने पर मौके पर 03 शिकायतों का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को सम्बंधित विभाग को प्रेषित करते हुए निर्देशित किया गया कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता से किया जाए। राजस्व से संबंधित शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित राजस्व अधिकारियों, कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि मौके पर जाकर निस्तारण कराया जाए। जिन शिकायतों के निस्तारण के लिए पुलिस की आवश्यकता है उनमें राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर निस्तारण कराया जाए। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने पुलिस से संबंधित शिकायतों को सुनकर उनके नियमानुसार निस्तारण के निर्देश दिए। समाधान दिवस में संयुक्त विकास आयुक्त मेरठ मंडल, सीएमओ, उप जिलाधिकारी सदर, तहसीलदार सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कई सिद्ध व भगवदप्राप्त संतों की साधना स्थली रही है गौतम ऋषि आश्रम : महंत मुकुंद शरण महाराज

वेलकम इंडिया

वृन्दावन। वाराह घाट-परिक्रमा मार्ग स्थित श्रीगौतम ऋषि आश्रम में श्रीआदि गुरू शंकराचार्य महाराज की जयंती के शुभ अवसर पर महंत मुकुंद शरण महाराज के पावन सानिध्य में संत, ब्रजवासी, वैष्णव सेवा एवं झरां भंडारा सम्पन्न हुआ। जिसमें सुबह से देर रात्रि तक 10000 से भी अधिक लोगों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

गौतम ऋषि आश्रम के महंत सर्वेश्वर शरण महाराज एवं मदन मोहन कुंज के अध्यक्ष स्वामी हेमकांत शरण देवाचार्य महाराज ने कहा कि श्रीगौतम ऋषि आश्रम कई सिद्ध व भगवदप्राप्त संतों की साधना स्थली रही है।जिन्होंने अपनी साधना व तपोबल से असंख्य व्यक्तियों का कल्याण कर उन्हें भगवद् भक्ति के मार्ग से जोड़ा है। प्रख्यात साहित्यकार डॉक्टर गोपाल चतुर्वेदी एवं एडवोकेट जितेंद्र शर्मा (राजस्थान हाई कोर्ट) ने कहा कि गौतम ऋषि आश्रम संत सेवा, गौ-सेवा व निर्धन-निराश्रित सेवा का प्रमुख केंद्र है।यहां वृन्दावन दर्शन को आने वाले सभी भक्तों-श्रृद्धालुओं के लिए निःशुल्क भोजन प्रसाद की नित्य सेवा निरंतर चलती है।जो कि बहुत ही प्रशंसनीय कार्य है। इस अवसर पर महंत वृंदावन दास महाराज, यज्ञाचार्य ओमप्रकाश शास्त्री, प्रेमदास बाबा, युवा साहित्यकार डॉक्टर राधाकांत शर्मा आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम व्यक्ति उपस्थित रहे।

जीपीए धनघटा द्वारा नि:शुल्क प्याऊ का तहसीलदार योगेन्द्र पाण्डेय ने किया उद्घाटन

वेलकम इंडिया

संत कबीर नगर। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन तहसील इकाई धनघटा के द्वारा गर्मी के तपिश को देखते हुए धनघटा चौराहे पर निःशुल्क प्याऊ का तहसीलदार योगेन्द्र पाण्डेय द्वारा उद्घाटन किया गया।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन तहसील इकाई धनघटा द्वारा विगत दो वर्षों से गर्मी की तपिश को देखते हुए धनघटा तहसील क्षेत्र में आमजनों के सुविधा के लिए निः शुल्क प्याऊ लगाने का कार्य किया जा रहा हैं।जो इस वर्ष भी धनघटा चौराहे पर लगाया गया जो कि पूरे गर्मी के मौसम में आमजन की सुविधा में लगा रहेगा।निः शुल्क प्याऊ उद्घाटन करने पहुंचे तहसीलदार योगेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन द्वारा यह बहुत ही नेक कार्य हैं निः शुल्क प्याऊ लगने से पत्रकार बंधुओं के साथ ही साथ आमजनों को भी इस भीषण गर्मी में प्यास बुझाने का कार्य करेगा।ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी ने कहा कि संगठन द्वारा निरंतर सामाजिक कार्यों को लेकर अग्रणी भूमिका निर्वहन करने का कार्य किया जाता रहा हैं आज उसी कड़ी में जीपीए तहसील इकाई धनघटा द्वारा पत्रकार साथियों व आम नागरिकों के सुविधा के लिए निः शुल्क प्याऊ का उद्घाटन किया गया हैं।जो कि निः शुल्क प्याऊ पूरा ग्रीष्म मौसम तक लगा रहेगा।इस अवसर पर धनघटा तहसील इकाई के तहसील अध्यक्ष अश्वनी पाण्डेय,मंडल मंत्री बुद्धिसागर मिश्रा, वीरेंद्र प्रताप,सुदर्शन तिवारी, कोषाध्यक्ष अमित पाण्डेय,आशुतोष त्रिपाठी, अकील अहमद, विजय प्रकाश पांडेय,घनश्याम यादव,अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष उदयराज अग्रहरि समेत पत्रकारगण उपस्थित रहे।

बृजवासियों से मिला स्नेह कभी भुलाया नहीं जा सकता : आशीष

वेलकम इंडिया

मथुरा। जनपद के जिला जज को हाल ही में गाजियाबाद जिले का जिला जज बनाया गया है। उनके बधाई समारोह में सभी ने उनके कार्य की भूरि भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर जिला जज आशीष गर्ग ने कहा कि बृजवासियों का जो स्नेह मिला है वह कभी बुलाया नहीं जा सकता।

उन्होंने कहा कि जिला न्यायालय के सभी साथी अधिकारी और कर्मचारियों ने जो सहयोग किया उसे भी वह याद रखेंगे। न्याय कर्मचारी संघ और ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ. कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट, सेल टैक्स के पूर्व अधिकारी चंद्रपाल सिंह पोनिया एडवोकेट आदि ने उनके कार्य एवं व्यवहार की सराहना की।

उत्तर प्रदेश लकड़ी व्यापार मंडल ने किया मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान

वेलकम इंडिया

लखनऊ। ऐशबाग मंडी चौराहे पर काष्ठ आधारित उद्योगों से जुड़े विभिन्न संगठनों द्वारा आईसीएसई और आईएससी बोर्ड 2025 में टिंबर व्यापारियों व आढ़तियो के 90% से ऊपर उत्तीर्ण हुए बेटे व बेटियों व अभिभावकों को सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वाले होनहार बच्चे नबील खान पुत्र शादाब खान, इशिका सक्सेना पुत्री सोनू सक्सेना, महविश खान,प्रियांशी मौर्य सहित सभी बच्चों को टिंबर व्यापारियों ने बधाई दी व मिष्ठान वितरण किया।

इस दौरान मुख्य आयोजक उत्तर प्रदेश लकड़ी व्यापार मंडल व लखनऊ टिंबर ब्रोकर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष देवाशीष देव, उपाध्यक्ष अयाज अहमद, अजय मिश्रा,संयुक्त मंत्री फरीद अहमद, अकरम लड्डन,मुन्ना तिवारी,दीपक तिवारी,हाजी एजाज,अयाज,नूर अली,दीपू शर्मा,आरिफ खान,जबीर अली,संरक्षक जोखू राम वर्मा,कोषाध्यक्ष अफसर खान,सह आयोजक लखनऊ टिंबर सामिल ऑनर्स एसोसिएशन महामंत्री जितेंद्र सिंह,कोषाध्यक्ष सोनू सक्सेना, उत्तर प्रदेश टिंबर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मोहनीश त्रिवेदी, उपाध्यक्ष एजाज खान, सचिव वसीम अहमद सहित सैकड़ों टिंबर व्यापारी मौजूद रहे।

संदिग्ध हालात में युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

बुलंदशहर। खानपुर थाना क्षेत्र के गांव ईशनपुर के एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद बुलंदशहर के चौकी क्षेत्र में एक मई देर शाम को एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर जाकर देखा तो युवक ने एक पेड़ पर रस्सी से लटकर आत्महत्या की है। मृतक की शिनाख्त थाना क्षेत्र के ईशनपुर गांव निवासी कुलदीप(23) पुत्र अशोक कुमार के रूप में हुई है। जानकारी करने पर पता चला कि वह नोएडा में एक कंपनी में कार्य करता था। कुलदीप के पिता राजमिस्त्री का कार्य कर परिवार का पालन पोषण करते हैं। वह तीन बहन भाई हैं। थाना पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का मामला लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मृत्यु का कारण पता चल सकेगा।

चेयरपर्सन की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक आयोजित हुई

वेलकम इंडिया

शिकारपुर/ बुलंदशहर/ शनिवार को कार्यालय नगर पालिका परिषद शिकारपुर पर चेयरपर्सन नगर पालिका परिषद शिकारपुर राजबाला देवी की अध्यक्षता में बोर्ड की बैठक आहूत की गईं जिसमें सर्वप्रथम पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा स्थापना/निर्माण कार्य कराये जाने पर विचार, महात्मा ज्योतिबाबाई फूले एवं सावित्रीबाई फूले की प्रतिमा स्थापना/ निर्माण कार्य कराए जाने पर विचार, नगर पालिका की सीमान्तर्गत लगाये जाने वाले विज्ञापन/होर्डिंग, यूनिपोल आदि से शुल्क वसूलने हेतु निविदा आर्मत्रित किए जाने पर विचार, बरसात से पूर्व नगर के मुख्य नालों की तड़ी-झाड़ सफाई कराये जाने पर विचार, पालिका की आराजी पर अतिक्रमण कर बने भवनों पर पालिका द्वारा अतिक्रमणकर्ता के नाम से लगाए गए गृहकर पर विचार पालिका की पुरानी जेसीबी टेरेक्स बैक्टरा की नीलामी कराये जाने पर विचार, गाटा संख्या 2427 पर बनी दुकानों की नीलामी उपरांत शेष दुकानों की नीलामी कराये जाने पर विचार, मोबाईल जेनरेटर बनाये जाने के लिए एक नग ट्रॉली क्रय करने पर विचार, पालिका की आय में वृद्धि हेतु पशु पैठ एवं शनिवार बाजार का स्थान परिवर्तन करने पर विचार सहित सभी 09 प्रस्ताव पास किये गऐ बोर्ड बैठक में मुख्य रूप से पालिका चेयरपर्सन राजबाला देवी अधिशासी अधिकारी सुश्री नीतू सिंह सांसद प्रतिनिधि प्रभात शर्मा सभासदगण लिपिक धीरज शर्मा मौ0 कासिम अंसारी आदि उपस्थित रहे।

वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर डॉ.शंभू पंवार आकाशवाणी दिल्ली के हमारे अतिथि कार्यक्रम में

वेलकम इंडिया

नई दिल्ली। विश्व पत्रकारिता स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष परआल इंडिया रेडियो दिल्ली में हमारे अतिथि कार्यक्रम में शिव नगरी चिड़ावा के लाडले वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर, अंतरराष्ट्रीय लेखक ,पत्रकार -विचारक एवं सोशल एक्टिविस्ट डॉ.शंभू पवार से उद्घोषिका नीलम मकलानीया ने पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर विशेष वार्ता की।

वार्ता में नीलम मकलानीया ने डॉ.शंभू पंवार से एक कस्बे से विश्व पटल तक के चार दशक के पत्रकारिता सफर के खट्टे -मीठे अनुभवो और चार दशक पूर्व एवं वर्तमान पत्रकारिता के संदर्भ में विस्तृत चर्चा की। इस भेंट वार्ता का प्रसारण 4 मई को प्रातः 9.15 बजे ऑल इंडिया रेडियो लाइव व यूट्यूब पर प्रसारित की जाएगी। वार्ता की प्रस्तुति प्रभा कुमार ने की। मै हृदय से आभारी हूं ,ऑल इंडिया रेडियो के सहायक निदेशक श्री राम अवतार बैरवा जी का जिन्होंने विश्व पत्रकारिता स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हमारे अतिथि कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए आकाशवाणी के सहायक निदेशक श्री रामावतार बैरवा का आभार व्यक्त करते हुवे बताया कि आकाशवाणी दिल्ली के इन्द्रप्रस्थ चैनल 366.3 मीटर अर्थात 819 किलोहर्टज तथा एयर लाइव न्यूज 2477 पर यह भेंटवार्ता रविवार 4 मई 2025 को प्रातः 9.15 बजे से प्रसारित की जाएगी।

वार्ता की प्रस्तुति प्रभा कुमार ने की। उल्लेखनीय है कि डॉ. शंभू पंवार पिछले चार दशक से पत्रकारिता, लेखन, साहित्य एवं सामाजिक सरोकारों से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों से जुड़ कर अपनी महती भूमिका अदा कर रहे है। आपको पत्रकारिता, लेखन , साहित्य एवं सामाजिक सरोकारों में अनेक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय अवार्ड व उपाधियों से संम्मानित किया जा चुका है।

आपकी उत्कृष्ट लेखनी व कार्यक्षमता को देखते तंजानिया के अंतरराष्ट्रीय काव्य प्रेमी मंच ने राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी, धरा धाम इंटरनेशनल ने धरा गवर्नर, संत गाडगे विश्वकल्याण सिद्धपीठ, हरिद्वार ने आजीवन संरक्षक ,दिल्ली की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था गीतांजलि काव्य प्रसार मंच ने राष्ट्रीय सलाहकार सहित अन्य राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने आपको संस्था का संम्मानित पदाधिकारी बनाया है।

तहसील में हुआ समाधान दिवस का आयोजन 40 शिकायतों में से 3 का निस्तारण

वेलकम इंडिया

स्याना/बुगरासी/बुलंदशहर/ शनिवार को स्याना तहसील पर हुए समाधान दिवस पर स्याना एसडीएम गजेन्द्र सिंह व सीओ स्याना प्रखर पांडे व तहसीलदार अमित कुमार ने सुनी पीड़ितों की समस्याएं। जानकारी के अनुसार स्याना तहसील पर हुए समाधान दिवस पर कुल 40 शिकायतें आई जिनमें से 3 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। एसडीएम स्याना गजेन्द्र सिंह ने बताया कि बाकी बची 37 शिकायतों का निस्तारण आने वाले समाधान दिवस से पहले कर दिया जायेगा।इस अवसर पर सीओ स्याना प्रखर पांडे एसडीएम गजेन्द्र सिंह तहसीलदार अमित कुमार एसएचओ स्याना यज्ञदत्त शर्मा सहित खानपुर नरसेना बीबी नगर व बुगरासी का पुलिस बल तैनात रहा।

राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में पदक विजेता पहलवान का किया सम्मान

वेलकम इंडिया

मथुरा/गोवर्धन। शिमला में हुए सीनियर नेशनल गेम्स प्रतियोगिता में सिल्वर मैडल जीतकर घर लौटने पर अजयवीर सिंह पहलवान का भवनपुरा गाँव की समस्त सरदारी, भाजपा नेता व आसपास गाँव के सेकड़ों लोगों ल्लने फूलमाला व पटका पहनाकर जोरदार स्वागत किया। शनिवार को गाँव भवनपुरा में पहलवान के स्वागत में हुआ अभिनन्दन समारोह में पहुँचे क्षेत्रीय विधायक ठा. मेघश्याम सिंह, ब्लॉक प्रमुख विपिन सिंह दीपचंद्र प्रधान , प्रताप सिंह पहलवान, हैप्पी पहलावान सहित गाँव की सरदारी के लोग और भाजपा नेता, कार्यकत्ताओं ने पहलवान अजयवीर सिंह का फूलमाला, पटका पहनाकर व तश्वीर भेंट कर जोशीला स्वागत कर उत्साह वर्धन किया। वहीं डोल नगाड़े की धुन पर ग्रामीण जमकर थिरके। इस अवसर पर विधायक ठाकुर मेघश्याम सिंह, ब्लाक प्रमुख विपिन सिंह, भाजपा नेता, मुन्ना भाईया, दीप चन्द्र प्रधान, प्रताप सिंह पहलवान, रोल सिंह, मुकेश सिंह, सुरेश प्रधान, दिनेश शर्मा, कोमल, रोहन सिंह, हरी सिंह, ओमी पंडित,गज्जो चौधरी, लक्ष्मण, राजू, भगवान सिंह, चरन सिहं, समस्त भवनपुरा गाँवसी सामिल थे।

स्वंय के साथ होने वाले अपराध को पुलिस तक पहुंचाए महिलाएं : पुलिस दीदी

वेलकम इंडिया जितेन्द्र कुमार

हाथरस। कार्यक्रम के दौरान अधिकारीगण द्वारा महिलाओ-बालिकाओ के साथ घटित अपराधो से बचाव के उपाय के सम्बन्ध में अवगत कराते हुये उनकी रोकथाम व कानूनी प्रक्रिया के तहत विधिक प्रावधान तथा विषम परिस्थितियो में सहायता प्राप्त किये जाने के लिये महिलाओं-बालिकाओं को सुरक्षा संबंधित सेवाएँ जैसे- यू0पी0-112 नम्बर, वूमेन पावर लाइन 1090, यूपी कॉप एप, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, 108 एम्बूलेन्स सेवा के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई । साथ ही महिलाओं,बालिकाओं को सभी सुरक्षा सम्बन्धी सेवाऐ,एप्लीकेशन आदि के बारे में जागरुक किया गया तथा हेल्पलाइन नम्बर का निर्भीक होकर उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया । महिलाओं/बालिकाओं को बताया गया कि आस पड़ोस में या स्वंय के साथ होने वाले अपराध या अपराध की संभावना होने पर संकोच किये बिना निडर होकर अपनी बात पुलिस तक पहुंचाए । कार्यक्रम के दौरान अधिकारीगण द्वारा बताया गया कि नाबालिग उम्र में बालिकायें लव अफेयर, पलायन, लिव इन रिलेशनशिप जैसे मामलों में फँस जाती हैं और किन्ही कारणों से उनको समझौता करना पड़ता है कई बार बालिकायें अपनी सहमति से भी बिना सोचे समझे चली जाती है। साथ ही साथ बदनामी के भय से किसी से शेयर नहीं करती हैं, जिसके कारण वह ऐसी स्थिति से निकलने में अपने आपको अक्षम महसूस करती हैं। परिवार में आपसी संवादहीनता और अभिभावकों से डर के कारण बालिकाएं अपनी बात कह नहीं पाती है । दूसरी ओर, वास्तविक रूप से महिलाओं एवं बालिकाओं के विरूद्ध जो अपराध होते हैं, उनमें बलात्कार शीलभंग जैसे संगीन मामलों में प्रताड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं की मनोस्थिति काफी हद तक प्रभावित होती है।

एनडीआरएफ के जवानों ने महिला स्वंय सहायता समूह की महिलाओं को सिखाया आपदा से निपटने का तरीका

वेलकम इंडिया जितेन्द्र कुमार

हाथरस। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, हाथरस की सहभागिता में जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय के आदेशानुसार आपदा जोखिम न्यूनीकरण में महिला स्वंय सहायता समूहों की भूमिका विषय पर एक दिवसीय जनपद स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यकम का शुभारंभ जिला विकास अधिकारी, नोडल महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा माँ सरस्वती का माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड से 10-10 स्वंय सहायता समूह की महिलाओं अर्थात कुल 70 महिलाओं का चयन कर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जनपद स्तर पर विभिन्न प्रकार की आपदाओं से बचाव हेतु अग्निशमन विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी आपदाओं से बचाव हेतु प्रशिक्षण दिया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सर्पदंश होने पर क्या करें, क्या न करें व हीटवेव के सम्बन्ध में बचाव हेतु उपाय भी बताये। अग्निशमन विभाग के माध्यम से आपदा के समय सिलेंडर की आग को घरेलू नुस्खे से कैसे बुझाए जा सकता है, इसके बारे में भी प्रेक्टिकल डेमॉसट्रेशन प्रदान कर बताया गया। मास्टर ट्रेनर द्वारा आपदा प्रबंधन चक्र, भारत में आपदा प्रबंधन का तंत्र, आपदा जोखिम न्यूनीकरण, विभिन्न आपदाओं जैसे आकाशीय विद्युत, डूबना, अग्निकांड, बाढ़, शीतलहर, हीटवेव (लू), सर्पदंश, आँधी-तूफान, भूकम्प, ओलावृष्टि इत्यादि विभिन्न आपदाओं से बचाव के बारे में प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों द्वारा आपदाओं को लेकर आम जनमानस को भी जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिभागी महिलाओं द्वारा आपदाओं के सम्बन्ध में अपने-अपने ग्राम पंचायत समुदाय के लोगों के मध्य भी साझा किया जाएगा। इसके साथ ही मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रतिभागियों को सचेत ऐप और दामिनी ऐप के सम्बन्ध में भी बताया गया।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में किसान एकता संघ ने सड़कों पर किया प्रदर्शन, पाकिस्तान का फूंका पुतला

वेलकम इंडिया/चरन सिंह

बरेली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले को लेकर किसान एकता संघ ने चौकी चौराहा स्थित मार्ग पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए पाकिस्तान का पुतला दहन किया। प्रदर्शन के माध्यम से उन्होंने देश की अखंडता पर हुए हमले के प्रति अपना आक्रोश जाहिर किया।प्रदर्शन के उपरांत संघ के कार्यकताओं ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाते हुए पदयात्रा निकाली, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई कलेक्ट्रेट पहुंची। यहां कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। संघ की तरफ से ज्ञापन में मांग की गई कि इस कायराना हमले का कठोर जवाब दिया जाए ताकि देश के दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब मिल सके। संघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. रवि नागर ने कहा कि यह प्रदर्शन केवल विरोध नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रति किसानों की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि देश का अन्नदाता हर संकट की घड़ी में सरकार और देश के जवानों के साथ खड़ा है। राष्ट्रीय सचिव यज्ञ प्रकाश गंगवार ने कहा कि देश सर्वोपरि है। न व्यक्ति, न जाति, न धर्म उससे ऊपर देश हैं। उन्होंने कहा कि जब जवान सीमा पर डटे हैं तो किसान भी अपने खेतों से देश की सेवा कर रहे हैं। आतंकवाद के खिलाफ पूरा देश एकजुट है और 140 करोड़ देशवासी सरकार के साथ खड़े हैं।

प्रदर्शन में प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष पंडित राजेश शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी श्याम पाल गुर्जर, मंडल प्रभारी चौधरी मोहकम सिंह गुर्जर, मंडल महासचिव डॉ. अंशु भारती, मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा जयसिंह यादव, खेतल सिंह गुर्जर, विवेक वर्मा, अवधेश गुर्जर, घनश्याम गुर्जर समेत दर्जनों पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रेम विवाह का हुआ दुखद अंत, मायके वालों ने कहा यह आत्महत्या नहीं, हत्या है

वेलकम इंडिया/चरन सिंह

बरेली। सिरौली थाना क्षेत्र के आटा फंदापुर में शुक्रवार की देर रात एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान 20 वर्षीय गौरी के रूप में हुई है, जिसने करीब तीन वर्ष पहले अपने ही गांव के युवक हरविंदर से प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद दोनों ने अलग घर बसाया था और सामान्य पारिवारिक जीवन व्यतीत कर रहे थे। लेकिन युवती की अचानक हुई मौत के बाद युवती के मायके वालों ने इस मौत को आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या करार देते हुए ससुराल पक्ष के लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सिरौली के प्रभारी निरीक्षक ने बताया है कि मामला गंभीर है, और युवती के परिजनों के आरोपों को ध्यान में रखते हुए पुलिस पूरी तरह से निष्पक्ष जांच कर रही है। गौरी के पति हरविंदर ने पुलिस को दिए गए बयान में बताया है कि तीन वर्ष पूर्व दोनों ने परिवार की सहमति के बिना प्रेम विवाह किया था। विवाह के एक वर्ष बाद उन्हें एक पुत्री हुई थी, जो बीमारी के चलते उपचार के दौरान चल बसी। इस घटना के बाद से गौरी मानसिक रूप से काफी व्यथित और अस्थिर रहने लगी थी। हरविंदर के अनुसार गौरी बीते कई महीनों से अवसादग्रस्त थी और उसका उपचार भी कराया जा रहा था। शुक्रवार देर रात वह सामान्य रूप से अपने कमरे में सोई हुई थी, लेकिन फिर अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। जब तक परिजन कुछ समझ पाते, तब तक गौरी की मौत हो चुकी थी। मृतका के पिता और भाइयों ने ससुराल पक्ष पर गौरी की हत्या करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि विवाह के बाद से ही गौरी को प्रताड़ित किया जा रहा था और आए दिन दहेज की मांग को लेकर विवाद होते रहते थे।

दीवार काटकर घर में घुसे चोर, नकदी और जेवरात समेत लाखों के माल पर किया हाँथ साफ

वेलकम इंडिया/चरन सिंह

बरेली। थाना इज्जतनगर क्षेत्र में बीती रात चोरी की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने गांव निवासी अशफाक पुत्र मुंशी सैफी और उनके भाई के मकानों को निशाना बनाते हुए पीछे की दीवार काटकर घर के अंदर प्रवेश किया और नकदी, सोने-चांदी के आभूषण सहित लाखों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। इज्जतनगर के ग्राम नगरिया कलां निवासी अशफाक ने बताया कि बुधवार देर रात परिवार के सदस्य अपने-अपने कमरों में सो रहे थे। इस दौरान चोरों ने पहले घर की पिछली दीवार को काटा और भीतर घुसकर अलमारी व संदूकों को खंगाल डाला। अशफाक ने बताया कि उनके घर से लगभग 50 हजार की नकदी चोरी हुई है, साथ ही करीब साढ़े चार तोला वजनी सोने के आभूषण तथा चांदी के कुछ सामान जैसे पायल, करधनी आदि भी चोर अपने साथ ले गए। चोरों ने अशफाक के भाई के मकान को भी निशाना बनाया और वहां से भी कीमती सामान समेट ले गए। जब सुबह परिवार के लोगों की नींद खुली तो उन्हें चोरी की जानकारी हुई। घर के पीछे की टूटी दीवार और बिखरा सामान देख परिजन सकते में आ गए। तत्काल घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई, जिसके बाद इज्जतनगर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की गहन जांच की गई। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है ताकि चोरों की पहचान की जा सके। इज्जतनगर थाना प्रभारी ने बताया कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और जल्द ही चोरों की गिरफ्तारी की जाएगी। इधर, चोरी की इस घटना से पूरे गांव में दहशत का माहौल है।

एसडीएम मैडम की बिगड़ी बोल, थाने में बंद करवाओ, फरियादी को खूब पिटवाओ

वेलकम इंडिया

वाराणसी मिजार्मुराद । एसडीएम पिंडरा प्रतिभा मिश्रा उस समय भड़क गई,जब शुक्रवार को पूर्वाह्न सिंधोरा थाना क्षेत्र के खड़खड़ी गांव निवासी किशन पांडे लेखपाल नीरज सिंह के खिलाफ शिकायत लेकर कार्यालय में उनके पास पहुंचे ।एसडीएम ने तल्ख तेवर में पत्रकारों के समक्ष ही कहा कि जैसे पत्रकार नमक मिर्च लगाकर खबर छापते हैं,उसी तरीके से तुम भी लेखपाल व सिंधोरा थाने के दो दरोगा के खिलाफ गंभीर आरोप लगाकर मेरे पास शिकायत करने आए हो। इससे भी जब उनका गुस्सा शांत नहीं हुआ तो,वह तत्काल लेखपाल नीरज को फोन मिलाई और बोली कि इस मामले में तुम्हारा क्या रोल है, उधर से लेखपाल की आवाज सुनने के बाद उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि मौके पर जाकर पैमाइश करो फरियादी गलत निकले तो उसे थाने में बंद करवा कर खूब पिटवाओ। पत्रकार प्रेस क्लब के पत्रकारों ने जब इस मामले में एसडीएम का विरोध किया तो उन्होंने कहा कि मैं मौके की पैमाइश करवाऊंगी,उसके बाद जो दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।परंतु उन्होंने आरोपी लेखपाल व दरोगा के खिलाफ जांच बाद कार्रवाई की बात नहीं कही। एसडीएम के बिगड़े बोल की शिकायत पत्रकार प्रेस क्लब के पत्रकारों ने एक्स हैंडल के माध्यम से शासन और प्रशासन को देकर कार्रवाई की मांग किया है। भला सोचिए कि तहसील की एक जिम्मेदार अधिकारी यदि फरियादी के साथ इस तरीके का व्यवहार कर सकती हैं तो निचले स्तर के राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारी व कर्मचारी किस हद तक जा सकते हैं। इसका अंदाजा तो सहसा एसडीएम पिंडरा प्रतिभा मिश्रा की बोल से लगाया जा सकता है। फरियादियों के साथ एसडीएम का यह दुर्व्यवहार क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। बताते चलें कि फरियादी किशन पांडे के पिता सदानंद पांडे के नाम से गांव में आराजी नंबर 1169 नवैयत चकपरे की भूमि है। उक्त भूमि में उनके दादा के समय से यानी लगभग पचास वर्ष पूर्व खपरैल का कच्चा मकान निर्मित था,जिसे लगभग छः वर्ष पूर्व इन लोगों द्वारा गिराकर उक्त भूमि पर चार कमरे के मकान का नींव डाला गया था। तीन कमरा तो उसी समय निर्मित करवा लिया गया था।धन के अभाव में एक कमरे का निर्माण नहीं हो पाया था।उक्त एक कमरे का निर्माण इधर बीच एक हफ्ते से ये लोग कर रहे थे कि पड़ोसन कुसुम पांडेय पत्नी अनिल पांडेय ने किशन से बोली कि तुम्हारे घर के सामने निजी आराजी 1153 से मुझे रास्ता चाहिए।

कानून व्यवस्था को चुस्त रखने को बीट आरक्षियों को दिए गए 241 स्मार्ट मोबाइल फोन

वेलकम इंडिया जितेन्द्र कुमार

हाथरस। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा जनपद की कानून व्यवस्था एवं संचार व्यवस्था को मजबूत बनाये रखने एवं त्वरित निस्तारण, गुणवत्तापूर्ण विवेचना एवं अपराधों में कमी लाने हेतु तथा तीनों नए कानूनों के क्रियान्वयन हेतु जनपद के समस्त बीट आरक्षियों को स्मार्ट फोन वितरित किये गये।पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि पुलिस एवं आमजन के साथ सामानजस्य बनाने में सहायता प्राप्त होगी तथा अपराधियों के सत्यापन, विभिन्न अभियानों में तेजी लाने, अपराधों में कमी लाने में भी महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त होगी।साथ ही तीनों नए कानूनों के क्रियान्वयन और साक्ष्यों के एकत्रित करने में भी सहयोग प्राप्त होगा।पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि जनपद के समस्त बीट आरक्षीयों को स्मार्ट फोन उपलब्ध कराये गये है। इस दौरान पुलिस अधीक्षक हाथरस द्वारा बताया गया कि इस नई व्यवस्था के बाद यदि कोई बीट आरक्षीयों किसी थाना, चौकी से स्थानान्तरित होता है तो स्मार्ट फोन नवागत आरक्षी को हस्तगत होता रहेगा।

तहसील समाधान दिवस में 41 शिकायते दर्ज एक का भी निस्तारण नही

वेलकम इंडिया महमूद रजा

जनपद बिजनौर नगीना। एसडीएम आशुतोष जायसवाल ने तहसील समाधान दिवस में आने वाली सभी जनहित शिकायतों को समय रहते निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं इस अवसर पर कुल 41 शिकायते दर्ज की गई, जिनमें मौके पर एक का भी निस्तारण नही किया गया। शनिवार को तहसील सभागार में एसडीएम आशुतोष जायसवाल की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण तहसील समाधान दिवस में तहसील क्षेत्र में भूमि कब्जा भू माफियाओं द्वारा कब्जे सम्बन्धित रहे।कुल 41 शिकायतें दर्ज की गई जिनमें से मौके पर एक का भी निस्तारण नही किया जा सका। सभी शिकायते संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौप कर पारदर्शिता के साथ उनका निस्तारण करने के आदेश दिया। इस अवसर पर एस डी एम नगीना तहसीलदार अभिषेक सक्सेना , नायब तहसीलदार मलखान सिंह ,एसडीओ विधुत रामकेश सिंह, ए बी एस ए इंद्रजीत सिंह , नगर पालिका ईओ संदीप सैक्सैना व मुनीर आलम सीओ सर्किल क्षेत्र के चारो थाना के प्रतिनिधि, सहित विभिन्न बिभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

गेटवे इंटरनेशनल स्कूल में हुआ लिटिल सैफ प्रतियोगिता का आयोजन

वेलकम इंडिया

बागपत, उत्तर प्रदेश। विवेक जैन। गेटवे इंटरनेशनल स्कूल बागपत नगर में प्रबंधक कृष्णपाल सिंह, प्रेसिडेंट सुनील चौहान व प्रधानाचार्य अमित चौहान के निर्देशन में लिटिल सैफ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत छोटे-छोटे बच्चों ने विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाकर सर्व किए। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत बच्चों को पाक कला के साथ-साथ भोजन को टेबल पर परोसने के बारे में भी बताया व सिखाया गया। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत विद्यालय के सभी छात्र- छात्राओं ने हिस्सा लिया तथा बहुत ही रुचि के साथ विभिन्न प्रकार के पकवान बहुत सरल विधि से बनाकर सर्व किए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अमित चौहान ने कहा कि आज की भाग दौड़ तथा तनावपूर्ण जिंदगी में बच्चे घर का बना खाना कम तथा जंक फूड ज्यादा पसंद करते हैं तथा इस प्रकार के भोजन से बच्चे आलसी तथा उग्र स्वभाव के हो रहे हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए लिटिल सैफ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत बच्चों ने सामूहिक रूप से मिलजुल कर खाना बनाया तथा उसे परोस कर एक साथ मिलकर खाया, ताकि उनमें एकता की भावना का विकास किया जा सके। इसलिए इसी स्नेह तथा एकता की भावना के विकास हेतु इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संयुक्त रूप से सारा, अयान व दिव्यांश, द्वितीय स्थान पर संयुक्त रूप से रुद्रा, खुशबू व खुशी नैन, तृतीय स्थान पर गनिका, पवनी व अबुजर रहे।

रेड क्रॉस सोसाइटी ने रक्तदान शिविर का किया आयोजन

वेलकम इंडिया महमूद रजा

बिजनौर। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी जनपद बिजनौर एवं बिजनौर चैरिटेबल ब्लड बैंक द्वारा जिला मुख्यालय पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।। जिसमें 96 यूनिट रक्त रक्तदान दाताओं द्वारा रक्तदान किया गया द्वारा ।टीकम सिंह सेंगर व मो अनीस अहमद अब तक 80 बार से अधिक रक्तदान कर चुके हैं । उन्होंने कहा कि किसी की जान बचाने से बड़ा कोई दान नहीं हो सकता है, रक्तदान से हम चार व्यक्तियों की जान बचा सकते हैं। इसलिए हर मनुष्य को जीवन में रक्तदान अवश्य करना चाहिए । रक्तदान करने वालों में रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन टीकम सिंह सेंगर सहित,मो अनीस अहमद, श्रीमती पूनम, राजवीर सिंह, पवन यादव, ओमप्रकाश सिंह, उमेश चौधरी आदि शामिल रहे।रक्तदान के अवसर पर रेडक्रास सोसायटी के डायरेक्टर डा सुबोध चन्द्र शर्मा, सुनील कुमार, योगेश ठाकुर मिडिया प्रभारी योगेन्द्र पाल सिंह योगी आदि उपस्थित रहे।

प्रेस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और समाज को सही दिशा देने में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पत्रकार निष्पक्षता और सच्चाई के साथ जनहित के मुद्दों को सामने लाए : विनोद भयाणा

वेलकम इंडिया

हांसी । विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हांसी के संयुक्त कार्यालय परिसर स्थित मीडिया सेंटर में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विधायक विनोद भयाना ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित किया। विधायक विनोद भयाना ने पत्रकारों को अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारिता स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और प्रेस की स्वतंत्रता को लोकतंत्र का मूल आधार बताया। उन्होंने कहा कि स्प्रेस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और समाज को सही दिशा देने में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पत्रकार निष्पक्षता और सच्चाई के साथ जनहित के मुद्दों को सामने लाकर लोकतंत्र को मजबूत करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक सशक्त और स्वतंत्र मीडिया ही जन-संवाद का वास्तविक माध्यम है, जो आम जनता की आवाज सरकार तक पहुंचाने का कार्य करता है। श्री भयाना ने यह विश्वास दिलाया कि सरकार पत्रकारों की सुरक्षा और उनके हितों के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। मंच का संचालन राजीव बंसल ने किया । इस अवसर पर वरिष्ठ मीडियाकर्मी सर्वेश कुकरा ने कहां कि पत्रकारों को व सरकार जनता के बीच में एक कड़ी का कार्य करती हैं । इस समय पत्रकारों को कई चुनौतियांके वजूद वे इस क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहें । माधव बाबा ने कहा कि स्थानीय पत्रकार स्वः जगदीश भारती , घनश्याम दास गांधी , राजकुमार आर्य , प्रताप यादव , मनमोहन सिंह दर्दी , भीम बड़ाला व सतपाल सैनी आदि को याद करते हुए उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की ।मुकेश माही ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए । इस मौके पर नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि विनोद सैनी , प्रधान संदीप सैनी मनमोहन शर्मा, मीडिया कर्मी शर्वेश कुकरा , महावीर यादव , अंजय सैनी , विनोद गंगवानी , पंकज नागपाल , माधव बाबा , केसव , महावीर सोनी , दिनकर गावड़ी , प्रदीप दुहन , अनुराग के अलावा विधायक के निजी सचिव रवि अरोड़ा व कल्ब के सदस्य मौजूद थें । क्लब के सदस्यों ने विधायक को स्मृति चिन्ह देकर उन्हे का सम्मानित किया ।

भगवान के अवतरण दुष्टो के संहार के लिए सभी युगों में होते है

वेलकम इंडिया : नितिन शर्मा

नूरपुर : रामलीला मैदान में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन कथा श्रवण करते हुए शिवांशु महाराज ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म का प्रसंग सुनाया।

भगवान का अवतरण दुष्टों के संहार के लिए सभी युगों में होता है भागवत में शिवांशु महाराज ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म का वर्णन करते हुए बताया कि उस समय घोर अंधकार छाया हुआ था बिजली कड़क रही थी और भयानक बारिश हो रही थी सभी पहरेदार गहरी नींद में सोए हुए थे और हथकड़ी, जेल के तले स्वयं खुल गए थे रनंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल कीर भजन पर सभी भक्तगण नाचने लगे और वातावरण भक्ति में हो गया। चौथे दिन की कथा से पहले सामूहिक पूजन किया गया। पंडित ऋषभ भारद्वाज ने विधिवत पूजा अर्चना कराई। जिसमें पूजा अग्रवाल धर्मपत्नी कुलदीप गुप्ता, रामलीला समिति के प्रधान सचिन चौधरी, चौधरी रणबीर सिंह, पूर्व प्रधानाचार्य रामप्रसाद सिंह, सरदार हरभजन सिंह, प्रतिपाल सिंह, जागेश शर्मा, मुकेश भुईयार, प्रेमोहन सिंह, राजेंद्र सैनी आदि मौजूद रहे।

के के पब्लिक स्कूल में स्लोगन कंपटीशन का आयोजन किया

उज्जवल रस्तौगी वरिष्ठ पत्रकार

मेरठ सरधना के.के. पब्लिक स्कूल सरधना (मेरठ) में कक्षा 9 से 12 तक के छात्र छात्राओं के लिए कोटेशन व स्लोगन राइटिंग कंपटीशन का आयोजन किया गया। जिसमें सभी छात्र-छात्राओं ने एजुकेशन व सोशल से संबंधित सुंदर-सुंदर कोटेशन लिखें, साथ ही उन्होंने देश के महापुरुषों के द्वारा दिए गए स्लोगन लिखे द्वारा सभी कक्षाओं में से श्रेष्ठ कोटेशन व स्लोगन के लिए छात्र-छात्राओं को चुना गया। स्कूल मैनेजर श्री सुशील कुमार जी, सचिव श्री संजीव कुमार जी व प्रधानाचार्य डॉक्टर उत्तम सिंह जी ने सभी बच्चों के द्वारा लिखे गए कोटेशन में स्लोगंस की भरपूर प्रशंसा की तथा चुने गए श्रेष्ठ छात्र छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्तुति सोम, अक्षरा जैन, स्वस्ति जैन, अंजली सोनी, प्रियांशी शर्मा, छवि भाटी, यशस्वी, शिखा भारती, सुहाना वर्मा, रिया गुप्ता, अर्जुन त्यागी, शिवा सोम, नकुल सैनी, सार्थक, पुर्वांश, कुशाग्र, आयुष, स्पर्श जैन, हैदर अली, शौर्य जैन व हार्दिक गोयल आदि छात्र छात्राओं ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

बिना क्रेट तरपाल के भीगा सरकारी गेहूं जिम्मेवार कौन एक दूसरे को बताया जिम्मेवार?

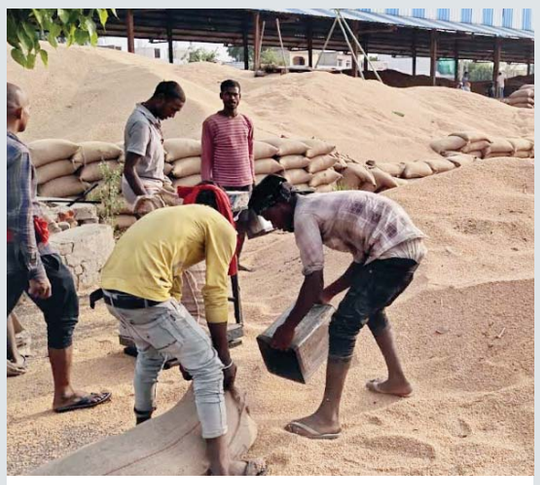

वेलकम इंडिया

हरियाणा/हिसार (राजेश सलूजा) : गेहूं खरीद सीजन अंतिम पड़ाव में है सरकार द्वारा खरीदे जाने वाला गेहूं खुले आसमान तले बारिश में भीगा रात्रि से प्रातः काल चली बारिश के दौरान गेहूं के कट्टे जो सरकारी पैकिंग थे उन काटो के नीचे ना कहीं क्रेट दिखाई दिया ना तरपाल दिखाई दिया। जो गेहूं भीगा है वह जल्द खराब भी होगा और नजदीक रखे सुखे गेहूं के पास अगर इसका भंडारण पर असर पड़ता है। इतना ही नहीं अनेक गेहूं के धड़े जो खुले आसमान के नीचे रहे और भीग गए दोपहर बाद में इन्हीं दडो से गेहूं का भरान भी होता हुआ दिखाई दिया जिसमें सफाई झराई कुछ भी दिखाई नहीं दिया। ऐसे में गेहूं की गुणवत्ता तो समाप्त होती ही दिखाई दी वही खरीद एजेंसियां भी मौन दिखाई दी जो बिना नियमों के खरीद होने पर जांच नहीं कर रही।

जब इस विषय को लेकर हैफैड से खरीद निरीक्षक कुलदीप सिंह से बात की तो उन्होंने कहा कि भीगे हुए गेहूं की भराई के लिए आढतियो को रोक दिया गया है। सवा दो लाख कट्टे की स्टॉक हो चुका है जबकि 1 लाख गेहूं के कट्टे अभी मंडी में है। आढती एसोशियशन के हिसाब से गाड़ियां मिलती है और उसी अनुसार गेहूं के कट्टे भर जाते हैं कहीं आज की हुई बारिश का खुला गेहूं भरा जा रहा है तो उसके लिए मैं जानकारी लेता हूं। जब इस विषय पर वेयरहाउस से सतीश कुमार से बात की गई तो उन्होंने कहा गेहूं भीगने से क्वालिटी भी खराब होती है नमी युक्त गेहूं अगर गेहू आता है तो ट्रांसपोर्टर को भी सूखने तक का इंतजार करना पड़ता है। गेहूं खराब ना हो उसके लिए क्रेट तिरपाल आदि की व्यवस्था करवाना मार्केट कमेटी की जिम्मेदारी है।

जब इस विषय पर डीएफएससी से नफे सिंह से बात की गई तो उन्होंने कहा कि हम गुणवत्ता पर पूर्ण ध्यान देते हैं बारिश होने के कारण जो गेहूं भीग गए हैं सूखने के बाद ही उसका उठान होगा सफाई व्यवस्था को लेकर कहा कि हम पूर्णता सफाई के साथ ही माल उठाने करते हैं अन्य एजेंसियां बिना सफाई के भराई करती होगी। गेट पास काटने के बाद आढतियों के यह गेहूं का ढेर है 18950 मेट्रिक टन गेहूं की खरीद कर चुके हैं जबकि 140274 क्विंटल गेहूं का उठान हो चुका है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर रिटायर्ड कर्मचारी की गुहार, पेंशन रोके जाने पर डीएम ने अधिशासी अधिकारी को लगाई फटकार

वेलकम इंडिया

झांसी! झाँसी की मोठ तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में मोठ नगर पंचायत के सेवानिवृत्त कर्मचारियों अजय कुमार ने जिलाधिकारी मृदुल चौधरी को रोते बिलखते एक प्रार्थना पत्र सौंपकर अपनी व्यथा व्यक्त की। उसने बताया कि सेवा से सेवानिवृत्त हुए काफी समय हो चुका है, लेकिन अभी तक उसे पेंशन की सुविधा नहीं मिल रही है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों का आरोप है कि अधिशासी अधिकारी की लापरवाही और मनमानी के चलते उनकी पेंशन रोक दी गई है, जिससे उसे आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारी ने बताया कि कई बार नगर पंचायत कार्यालय के चक्कर लगाने के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। डीएम मृदुल चौधरी ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए अधिशासी अधिकारी संजीव कुमार को कड़ी फटकार लगाई और तत्काल मामले का संज्ञान लेकर समाधान करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि रिटायर्ड कर्मचारियों को समय पर पेंशन मिलना उनका अधिकार है, और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम के हस्तक्षेप के बाद रिटायर्ड कर्मचारी में उम्मीद जगी है कि अब उन्हें जल्द ही पेंशन का लाभ मिलेगा। उन्होंने जिलाधिकारी का आभार जताया और आशा व्यक्त की कि प्रशासन उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान करेगा।

सिंभावली पुलिस ने दहेज हत्या आरोपित बाप, बेटे को किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ पत्रकार

हापुड़ गढ़मुक्तेश्वर/एसपी कुंवर ज्ञानेंजय सिंह के आदेश अनुपालन में अपराधिक मुकदमों में वांछित चल रहे अपराधियों की धर पकड़ को लेकर चलाए जा रहे।अभियान के तहत सिंभावली पुलिस ने दहेज हत्या के मुकदमे में वांछित चल रहे। मुकेश कुमार पुत्र ब्रहम सिंह, बिरम सिंह पुत्र मुख्तियार सिंह, निवासी न्याजपुर खैया, थाना सिंभावली हापुड़ को गिरफ्तार कर विधिक वैधानिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय में किया पेश।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा मंगल कलश यात्रा निकाली गई

वेलकम इंडिया

झांसी! आरा मशीन पर कलश यात्रा एक पारंपरिक यात्रा निकल गई है जो शुभ धार्मिक उत्सव के आगमन का प्रतीक है। कलश सृष्टि और सृजन की शुभ एवं साकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है जो सभी सृजन को एकता में बॉधता है। कलश में पवित्र नदियों का जल सत्य के अनंत ज्ञान का प्रतीक है इस प्रकार कलश अमरता का प्रतीक है। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा सर्वश्री आशुतोष महाराज जी की कृपा से 4 मई, 2025 से सन ग्लो इंटर कॉलेज, सुभाष नगर, चूड़ी वाली गली, आरा मशीन, इलछ, झाँसी में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन होने जा रहा है। कथा से पूर्व एक भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। मंगल कलश यात्रा प्रातः 10:00 बजे सिद्धेश्वर बाबा मन्दिर से प्रारंभ होकर सोना स?टेशनरी वाली गली से चूड़ी वाली गली से होते हुए कथा स्थल सन ग्लो इंटर कॉलेज, सुभाष नगर, चूड़ी वाली गली, आरा मशीन, इलछ, झाँसी पहुँची। कलश यात्रा में 500 से भी अधिक महिलाओं ने सर पर कलश धारण कर प्रभु नाम के जयकारे लगाए। कलश यात्रा के साथ ही बच्चों द्वारा मानव प्रकृति संबंध को पुनस्थापित करती *संरक्षण* रैली भी निकाली गई जो समाज को पर्यावरण को बचाने के लिए प्रेरित करती है।

वृंदावन में सर्व भाषा साहित्यकार प्रांतीय सम्मेलन आज रविवार को

वेलकम इंडिया

मथुरा/वृंदावन। अखिल भारतीय साहित्य परिषद ब्रज प्रांत के तत्वावधान में सर्व भाषा साहित्यकार सम्मान समारोह का आयोजन समिति की एक बैठक गीता शोध संस्थान के सभागार में संपन्न हुई। बैठक में 4 मई को आयोजित होने वाले सर्व भाषाक साहित्यकार सम्मान समारोह की रूपरेखा तय की गई। बैठक की अध्यक्षता ब्रज प्रांत के संरक्षक डॉ. उमेशचन्द्र शर्मा ने की। संचालन ब्रज प्रांत के प्रांतीय संयुक्त मंत्री डॉ. पुरूषोत्तम पाटील ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. सुरेश बाबू मिश्रा ने कहा कि गीता शोध संस्थान वृंदावन के सभागार में कल चार मई को 11 बजे से 5 बजे तक सर्व भाषा साहित्य सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसमें कौरवी , ब्रज, खड़ी बोली, बुंदेली, अवधी एवं भोजपुरी के मूर्धन्य साहित्यकारों को सर्वभाषा साहित्यकार गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

ब्रज प्रांत के संयुक्त महामंत्री विकास सारस्वत ने कहा कि प्रदेश के अधिकांश साहित्यकार 3 मई की शाम तक गीता शोध संस्थान पहुंच जाएंगे। इन सभी के 3 एवं 4 मई के भोजन , जलपान एवं आवास की व्यवस्था ब्रज प्रान्त की ओर से निशुल्क रहेगी। प्रांतीय संगठन मंत्री अंजना अंजुम ने बताया कि 4 मई को पूर्वाह्न 11 बजे से शाम 5 बजे तक दो सत्रों में चलने बाले कार्यक्रम में संत अनन्त वीर्य जी अक्षय पात्र आश्रम, सुशील चन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश ' राष्ट्रीय अध्यक्ष ,श्रीधर पराड़कर, राष्ट्रीय संगठन मंत्री , मनोज ,राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री ,ऋषि मिश्रा ,राष्ट्रीय महामंत्री तथा डॉ पवन पुत्र बादल, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री आदि की गरिमामयी उपस्थित कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करेगी । प्रांतीय संयुक्त मंत्री डॉ. पुरुषोत्तम पाटील ने बताया कि कार्यक्रम समापन पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया जाएगा इसमें पहलगाम के बलिदानियों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी और एक शोक प्रस्ताव पारित किया जाएगा। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में गीता शोध संस्थान के ब्रज संस्कृति विशेषज्ञ एवं प्रांतीय संरक्षक डॉ उमेशचंद्र शर्मा ने बताया कि समारोह के सफल आयोजन हेतु एक आयोजन समिति भी गठित की गई है ।

विश्व पत्रकारिता दिवस: लोकतंत्र का चौथा स्तंभ और उसकी चुनौतियाँ

रईस अहमद

हर साल 3 मई को विश्व पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य पत्रकारिता की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी, और मीडिया की भूमिका को रेखांकित करना है। यह दिन न केवल पत्रकारों के योगदान को सम्मानित करता है, बल्कि उनके सामने आने वाली चुनौतियों और खतरों पर भी प्रकाश डालता है। 2025 में, जब दुनिया डिजिटल क्रांति और सूचना युद्ध के दौर से गुजर रही है, यह दिवस और भी प्रासंगिक हो जाता है।पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है, क्योंकि यह सरकार, समाज और नागरिकों के बीच एक सेतु का काम करती है। पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियाँ. 1. प्रेस की स्वतंत्रता पर हमले: दुनिया के कई हिस्सों में पत्रकारों को धमकियाँ, गिरफ्तारियाँ, और यहाँ तक कि हत्याएँ झेलनी पड़ती हैं।

2. आर्थिक दबाव: मीडिया हाउसेज पर विज्ञापनदाताओं और कॉरपोरेट हितों का दबाव बढ़ रहा है, जिससे स्वतंत्र पत्रकारिता कमजोर हो रही है। 3. डिजिटल युग की चुनौतियाँ: सोशल मीडिया और एल्गोरिदम आधारित कंटेंट ने पत्रकारिता को तेजी से बदल दिया है। फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं के प्रसार ने पत्रकारों पर विश्वसनीयता बनाए रखने का दबाव बढ़ा दिया है।

4. पत्रकारों की सुरक्षा: विशेष रूप से युद्ध क्षेत्रों संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में पत्रकारों की जान को लगातार खतरा बना रहता है।भारत में पत्रकारिता का इतिहास स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा है, जब प्रेस ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ आवाज बुलंद की थी। आज भारत में मीडिया की स्वतंत्रता विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। पत्रकारों को धमकियाँ, कानूनी कार्रवाइयाँ, और यहाँ तक कि हिंसा का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद, कई पत्रकार और स्वतंत्र मीडिया मंच साहस के साथ सत्य को सामने ला रहे हैं।

विश्व पत्रकारिता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज के लिए एक जिम्मेदारी है। सरकारों, नागरिकों, और मीडिया संगठनों को मिलकर निम्नलिखित कदम उठाने चाहिए:

1. पत्रकारों की सुरक्षा के लिए सख्त कानून लागू करना।

2. स्वतंत्र पत्रकारिता को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक सहायता और नीतियाँ बनाना।

3. डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना ताकि नागरिक फर्जी खबरों और सत्य के बीच अंतर समझ सकें।

4. पत्रकारों के प्रशिक्षण और नैतिकता पर जोर देना विश्व पत्रकारिता दिवस हमें पत्रकारों के साहस, समर्पण, और बलिदान को याद करने का अवसर देता है। यह दिन हमें यह भी प्रेरित करता है कि हम एक ऐसी दुनिया की कल्पना करें जहाँ सत्य को दबाया न जाए, और पत्रकार बिना डर के अपनी आवाज उठा सकें। आइए, इस विश्व पत्रकारिता दिवस पर हम सब मिलकर प्रेस की स्वतंत्रता को मजबूत करने और सत्य की रक्षा करने का संकल्प लें।

हापुड़, गढ़मुक्तेश्वर और धौलाना तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस हुआ सम्पन्न

वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ पत्रकार

हापुड़:- तहसील में जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान हापुड़ तहसील दिवस में कुल 43 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 05 का मौके पर अधिकारियों द्वारा निस्तारण कराया गया। उन्होंने संपूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित जनपदीय सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र लाभार्थी को मिलना चाहिए। जिलाधिकारी ने तहसील दिवस में उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देश दिए की जो भी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं उनका निस्तारण ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने तहसीलदार हापुड़ को निर्देश दिए कि तहसील दिवस में जो भी शिकायत प्राप्त हुई हैं उनमें स्वयं मौके पर जाकर जांच करें, जांच के उपरांत प्राप्त शिकायतों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि शिकायत के निस्तारण के उपरांत शिकायतकर्ता को भी अवगत कराया जाये ह्न इसी के साथ जिलाधिकारी ने तहसील दिवस में उपस्थित अन्य अधिकारियों को निर्देश दिए की तहसील दिवस में जो भी शिकायत प्राप्त हो रही हैं उनका आगामी तहसील दिवस से पूर्व निस्तारण करना सुनिश्चित करें जिससे उन समस्याओं को बार-बार न दोहराया जाए ह्न इस मौके पर पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह, उप जिलाधिकारी सदर ईला प्रकाश, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सुनील त्यागी, तहसीलदार हापुड़, पुलिस क्षेत्र अधिकारी सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे इसके साथ ही धौलाना तहसील दिवस की अध्यक्षता करते हुए मुख्य विकास अधिकारी श्री हिमांशु गौतम ने अधिकारियों को निर्देश दिए तहसील में आई शिकायत का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं प्राथमिकता के आधार पर करें।मुख्य विकास अधिकारी के समक्ष तहसील दिवस में 26 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 02 का निस्तारण कराया गया। इसी क्रम में गढ़मुक्तेश्वर तहसील की अध्यक्षता करते हुए अपर जिलाधिकारी श्री संदीप कुमार ने संपूर्ण समाधान दिवस में आई शिकायतो को सुना। सम्पन्न हुए गढ़मुक्तेश्वर तहसील दिवस में 27 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 02 का निस्तारण किया गया।

भगवान परशुराम शोभा यात्रा के पोस्टर-बैनर फाड़ने का आरोप, हिंदू संगठनों का कोतवाली पर हंगामा

वेलकम इंडिया

मोदीनगर,(अनिल वशिष्ठ)। मोदीनगर के शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने की कुचेष्टा कर कुछ असामाजिक तत्वों ने रविवार को निकाली जाने वाली भगवान परशुराम शोभा यात्रा संबंधी लगे बैनर पोस्टरों को फाड़कर सड़क पर फैंक दिया गया, जिससे आक्रोशित विभिन्न हिंदू संगठनों के नेताओं, कार्यकताओं ने कोतवाली पर हंगामा किया तथा आरोपित असामाजिक तत्वों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई कर उनके नापाक इरादों को विफल किया जाए। इस संबंध में प्रदर्शनकारियों की तरफ से कोतवाली प्रभारी निरीक्षक को एक पत्र भी सौंपा गया है। इस मौके पर आकाश शर्मा, सचिन दीक्षित, मुकुल शर्मा, शुभम शर्मा, सचिन कुमार, संभव शर्मा, मनीष शर्मा, गौरव शर्मा, प्रियांशु, सागर, योगी शर्मा सहित पर्याप्त संख्या में लोग मौजूद थे। उधर एसीपी ज्ञानप्रकाश राय व कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रशांत त्यागी ने प्रदर्शनकारियों को समझा बुझाकर शांत किया, साथ ही उन्हें भरोसा दिलाया कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर पुलिस कथित असामाजिक तत्वों की शिनाख्त कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। किसी को भी देश में माहौल बिगाड़ने नहीं दिया जाएगा। उधर प्रदीप शर्मा (सभासद) सहित अन्य कई ब्राह्मण नेताओं के अनुसार चार मई को भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य शोभा यात्रा ग्राम सीकरी कलां से प्रारंभ होकर हाईवे हेते हुए पूर्व तहसील कार्यालय के निकट मेरठ-दिल्ली मार्ग पर स्थित भगवान परशुराम मंदिर पहुंचेगी। शोभा यात्रा की तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं।

अनीशा गांधी को 'प्राइमरी शिक्षा में उत्कृष्टता' के लिए सम्मानित किया गया

वेलकम इंडिया

मोदीनगर,(अनिल वशिष्ठ)। शहर के प्रतिष्ठित स्कूल डीपीएस मोदीनगर ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। टाइम्स बिजनेस अवॉर्ड 2025 में डीपीएस मोदीनगर की ट्रस्टी श्रीमती अनीशा गांधी को 'प्राइमरी शिक्षा में उत्कृष्टता' के लिए सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार स्कूल की शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता और शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों के सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है। स्कूल के प्रो-वाइस चेयरमैन डॉ विक्रम गांधी ने बताया कि यह सम्मान स्कूल के विजन को पुष्ट करता है, जिसमें बच्चों को मजबूत बुनियाद देने और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने पर जोर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सभी के समर्पण और दृढ़ संकल्प का परिणाम है और स्कूल अपने मिशन को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। डीपीएस मोदीनगर परिवार ने इस सम्मान को अपने छात्रों, अभिभावकों और कर्मचारियों के सहयोग और विश्वास का परिणाम बताया है। यह पुरस्कार स्कूल को निरंतर उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा।

चार वर्षीय बच्ची से ब्लात्कार का मामला

विजय द्विवेदी वेलकम इन्डिया

प्रतापगढ। कुंडा मे चार वर्षीय बच्ची के साथ हुई वारदात को लेकर व्यापारियों व आम जनमानस में है जन आक्रोश है । बीते 1 मई को कुंडा कस्बा की छोटी बेटी के साथ हुई वारदात को लेकर 2 मई को कुंडा नगर में व्यापार मंडल की बैठक हुई। बैठक में 3 मई को कुंडा बाजार बंद का आवाहन किया गया था। सुबह 10:00 बजे व्यापार मंडल के आवाहन पर नगर के सब व्यापारी विरोध प्रदर्शन हेतु निकल पड़े। व्यापारी छात्रा के विद्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इसकी जानकारी जैसे ही कौशांबी के पूर्व सांसद विनोद सोनकर को ही हुई तो उन्होंने तत्काल उच्च अधिकारियों से बात कर कड़ी कार्रवाई को ? कहा तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। इसी विषय मे राजा भैया की पार्टी जनसत्ता दल के एम एल सी गोपाल भैया और बाबागज विधायक विनोद सरोज ने भी स्थानीय कुडा कोतवाली पहुच मौजूद एडीशनल एस पी के समक्ष मामला उठाते हुए कठर कार्यवाही की माग की ।जिस पर एडीशनल एस पी ने आश्वासन दिया कि एक भी अपराधी बचने नही पाएगा।

पलक झपकते ही माँ की ममता के साए से गुलदार ने माँ के मासूम लाडले की छीनी जिंदगी

वेलकम इंडिया

बागेश्वर, गोविन्द मेहता कांडा तहसील क्षेत्र के रावतसेरा राजस्व क्षेत्र के माणाकभडा गांव में शनिवार देर शाम चार साल के बच्चे को गुलदार ने अचानक झपट्टा मारकर अपना शिकार बना लिया। माणा गांव से दिल दहला देने वाली घटना सामने आने से हर कोई स्तब्ध है। गुलदार नेमाँ की ममता के बीच पलक झपकते ही एक चार वर्षीय मासूम बच्चे पर हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। यह दर्दनाक हादसा उस वक्त हुई जब चार साल का मासूम नैतिक अपनी मां नीलम की गोद था ।बताया जा रहा है कि बच्चा शौच के लिए अपनी माँ के साथ बाहर जा रहा था। तभी घात लगाए बैठे गुलदार ने पलक झपकते ही मासूम बच्चे पर झपट्टा मारा और मासूम को अपने जबड़ों में दबाकर ले गया। अचानक बच्चे को अपने बीच से झपट्टा मारकर ले जाने पर बच्चे की माँ भी बेसुध होकर चिल्लाते हुए अपने बच्चे को बचाने के लिए गुलदार के पीछे दौड़ पड़ी ।तभी मामले में माँ की चींखपुकार सुनकर और परिजन भी मौके पर पहुँचे ।जिसके बाद ग्रामीणों ने होहल्ला शुरू कर बच्चे की खोजबीन शुरू की ।जिसके बाद घटनास्थल से करीब 300 मीटर दूर से ग्रामीणों ने मासूम बच्चे का क्षत-विक्षत शव बरामद किया। इस हादसे से पूरे गांव तथा क्षेत्र में दहशत का माहौल है। वहीं मासूम बच्चे की मौत के बाद माँ और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों द्वारा घटना की जानकारी वन विभाग और जिला प्रशासन को दी गई ।जिसके बाद तत्काल जानकारी मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों ने गुलदार को जल्द से जल्द पकड़ने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों ।प्राप्त जानकारी के आधार पर देर शाम घर के आंगन के समीप अपनी माँ के साथ मौजूद बच्चा आंगन में अपने परिजनों के समीप था, तभी अचानक घात लगाए गुलदार ने झपट्टा मारकर चार वर्षीय बालक को अपना निवाला बना लिया। भागेहुपटवारी क्षेत्र रावतसेरा निवासी चार वर्षीय नैतिक पुत्र केशर सिंह को गुलदार ने अपना निवाला बना लिया ।सूचना पर जिला प्रशासन से तहसीलदार दलीप सिंह,वन क्षेत्राधिकारी प्रदीप कांडपाल, कांडा थानाध्यक्ष कैलाश बिष्ट,सहित वन विभाग के अधिकारी कर्मी मौके पर पहुँच गए हैं ।प्रभागीय वनाधिकारी ध्रुव सिंह मर्तोलिया ने बताया कि मासूम को गुलदार ने अपना निवाला बनाने की सूचना पर विभागीय टीम मौके के लिए तत्काल रवाना हो गई है ।साथ ही वन कर्मियों द्वारा क्षेत्र में आसपास गश्त बड़ा दी है ।गुलदार को पकड़ने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने सभी लोगों से एहतियात बरतते हुए रात्रि में अकेले नही जाने, तथा सतर्कता बरतने की अपील की है ।वही घटना पर क्षेत्रीय विधायक सुरेश गड़िया,विधायक पार्वती दास, दर्जा राज्य मंत्री शिव सिंह बिष्ट,भूपेश उपाध्ध्याय,डीएम आशीष भटगाई, पूर्व कैबिनेट मंत्री बलवंत सिंह भौर्याल,जिपं प्रशासक बसंती देव, पूर्व विधायक ललित फर्श्वाण,अपर जिलाधिकारी सीएस नबियाल,सीडीओ आर सी तिवारी, उपजिलाधिकारी मोनिका,पूर्व जिपंअध्यक्ष हरीश ऐठानी,विक्रम साही,सहित अन्य लोगों ने गहरा शोक जताया है।

महिला की मौत के लिए ऊर्जा निगम के जिम्मेदार अधिकारियों पर हो कार्रवाई

वेलकम इंडिया

बागेश्वर, कपकोट के दूरस्थ क्षेत्र गोगिना में करंट लगने से हुई बुजुर्ग महिला की मौत केबाद ग्रामीणों में ऊर्जा निगम की कार्यशैली के खिलाफ आक्रोश है ।नाराज ग्रामीणों ने युवा नेता भूपेंद्र कोरंगा के नेतृत्व में इसी प्रकरण को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौपते हुए गोगिना गांव में हुए हादसे के लिए ऊर्जा निगम जिम्मेदार ठहराया है ।ग्रामीणों ने मामले में ग्रामीणों ने ऊर्जा निगम को जिम्मेदार बताते हुए कहा कि घटना से पूर्व ऊर्जा निगम के जेई को फोन किया गया पर उनके द्वारा फोन नहीं उठाया गया। कहा कि यदि समय पर फोन उठ जाता तो घटना नहीं घटती। जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच की मांग की है। जांच के जिम्मेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। समाजिक कार्यकर्ता और युवा नेता भूपेंद्र कोरंगा के नेतृत्व में आए ग्रामीणों ने कहा कि गोगिना निवासी लीला देवी की मौत ऊर्जा निगम की लापरवाही से हुई है। उन्होंने जिलाधिकारी को बताया कि लाइन टूटने के बाद और करंट फैलने की आशंका को लेकर ग्रामीण ऊर्जा निगम के जेई को फोन करते रहे, ताकि शटडाउन लिया जा सके, लेकिन अपर सहायक अभियंता (जेई) ने फोन नहीं उठाया। इसके बाद घटना घट गई, यदि समय पर फोन उठाया होता तो शायद महिला की मौत नहीं होती। उन्होंने मामले में जेई को जिम्मेदार ठहराते हुए उसे निलंबित करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से रोजाना कई विद्यार्थी स्कूल जाते हैं। पेड़ गिरने के कारण वह नहीं गए। इस कारण उनकी जान बच गई। उन्होंने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की जांच की मांग की है। मांग नहीं माने जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। इस मौके पर शेर सिंह, रतन राम, प्रताप सिंह, आन सिंह, गोपाल सिंह, पान सिंह, तारा सिंह आदि शामिल हैं।

संपूर्ण समाधान दिवस पर 56 शिकायतें में से दो का निस्तारण

वेलकम इंडिया

मोदीनगर,(अनिल वशिष्ठ)। जिलाधिकारी श्री दीपक मीणा के निर्देशन में मोदीनगर तहसील पर एडीएम एफ/आर श्री सौरभ भट्ट की अध्यक्षता में मोदीनगर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 56 शिकायतें प्राप्त हुई। जिसमें से मौके पर 02 शिकायतों का निरस्तारण किया गया। इस दौरान एसडीएम मोदीनगर निखिल चक्रवर्ती, एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

डेंटल चैकअप में बच्चों के दांतों की जांच

वेलकम इंडिया

मोदीनगर,(अनिल वशिष्ठ)। शिक्षा इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को निशुल्क दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें दिव्य ज्योति चिकित्सालय के डॉक्टर टीम द्वारा कक्षा एक और दो के विद्यार्थियों के दांतों की जांच की गई। शिविर में 150 से अधिक बच्चों के दांतों की जांच के साथ-साथ निशुल्क टूथपेस्ट भी दिए। चिकित्सकों के द्वारा दांतों में होने वाली बीमारियों, उनकी सही समय पर जांच और दांतों की सफाई के बारे में बच्चों को जानकारी दी उन्होने कहा कि दांत हमारे मुख का अहम हिस्सा होते है इनके खराब होने से मुख की सुंदरता के साथ-साथ पाचन शक्ति पर भी बुरा असर पड़ता है और असहनीय पीड़ा को सहन करना पड़ता है, इसलिए दांतो की लंबी उम्र के लिए दांतो की सफाई और उचित समय पर दांतो की जांच जरूरी है। विद्यालय के चैयरमैन श्री नीरज त्यागी जी ने चिकित्सकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से बच्चों के अंदर स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता उत्पन्न होती है।

भाजपा कार्यकर्ताओं को किया गया सम्मानित

वेलकम इंडिया

मोदीनगर,(अनिल वशिष्ठ)। भाजपा क्षेत्रीय कार्यालय मेरठ में जनपद गाजियाबाद को मन की बात कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने पर भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया द्वारा कार्यकताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक क्षेत्रीय उपाध्यक्ष और मन की बात के क्षेत्रीय संयोजक मानसिंह गोस्वामी रहे। जिला गाजियाबाद में जिला अध्यक्ष चेनपाल चौधरी के नेतृत्व में 11 मंडल में से 8 मंडलों ने 95% से 100% कार्य किया है इसके निमित्त आज संपूर्ण टीम को क्षेत्रीय कार्यालय पर मन की बात कार्यक्रम के जिला संयोजक अमित तिसावड सहित मंडल अध्यक्ष और मन की बात कार्यक्रम में लगे कार्यकताओं सम्मानित किया गया। अमित तिसावड ने इसका श्रेय जिला अध्यक्ष चेनपाल चौधरी सहित सभी मंडल अध्यक्ष और मन की बात कार्यक्रम में लगे समस्त मंडल टीम और पार्टी कार्यकताओं को दिया इस अवसर पर दीपक गुर्जर, नीरज चौधरी,सचिन त्यागी,रोहित तोमर,अनिल प्रजापति,आकाश शर्मा,शालिनी चौधरी उपस्थित रहे।

सरकार को गेंहू व धान खरीद से पहले अनाज उठान के टैंडर व मण्डियों में बारदाना की व्यवस्था करनी चाहिए: बजरंग गर्ग

वेलकम इंडिया

हरियाणा/हिसार(राजेश सलूजा) :- व्यापारी प्रतिनिधियों की मीटिंग हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कांन्फेड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। इस मीटिंग में बारिश के कारण गेंहू व सरसों भीगने पर चिन्ता प्रकट की। व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने उपस्थित व्यापारी प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार की लापरवाही के कारण हिसार व हरियाणा में लगभग 65 लाख क्विंटल गेंहू व सरसों भीग गई है। इससे पहले भी दो बार बारिश होने के कारण लाखों मैट्रिक टन गेंहू भीगने के कारण खराब हो गई है जबकि बार-बार मौसम विभाग द्वारा प्रदेश में बारिश बताने के बावजूद भी सरकार ने गेंहू का उठान समय पर नहीं किया। जिसके कारण बारिश में अनाज खराब होने से करोड़ो रुपए का नुकसान हो गया है। बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार को गेंहू व सरसों की खरीद व उठान लेट करने के कारण किसान व आढ़तियों को भारी नुकसान हुआ है जबकि गेंहू खरीद 1 अप्रैल से शुरू हो गई थी मगर गेंहू उठान का टैंडर सरकार ने 12 अप्रैल तक दिया और गेंहू के लिए मण्डियों में बारदाना देने में भी काफी देरी की गई। जिसके कारण उठान ना होने से लाखों मैट्रिक टन गेंहू व सरसों मण्डी व सड़को पर खुले में पड़ी रही। एक तरफ बारिश के कारण अनाज खराब हुआ दूसरी तरफ बिजली विभाग की लापरवाही के कारण बिजली की तारे खेतों में नीचे लटकने कै कारण हजारों एकड़ में गेंहू जल कर राख हो गई। सरकार को गेंहू बारिश व जलने के कारण जो नुकसान हुआ है उस नुकसान का तुरंत भुगतान किया जाएं। मण्डियों में जो गेंहू व सरसों पड़ी है उसका तुरंत प्रभाव से उठान किया जाएं क्योंकि मौसम विभाग द्वारा आगे चार दिन बारिश व आंधी आने की आशंका जाहिर की है।

बजरंग गर्ग ने कहा कि मुख्यमंत्री का 48 घण्टे में गेंहू खरीद, उठान व भुगतान के सभी दावे पुरी तरह फेल सिद्ध हुए है। सरकार का 48 घंटे में भुगतान करना तो दूर की बात गेंहू का उठान 15 से 20 दिन तक मण्डियों से नहीं हुआ। सरकार की तरफ से गेंहू खरीद, उठान व भुगतान समय पर ना होने से किसान व आढ़तियों में बड़ी भारी नाराजगी है। सरकार को गेंहू, धान, सरसों, नरमा व हर फसल खरीद के लिए मण्डियों में पुख्ता प्रबंध करने चाहिए। इस अवसर पर अनाज मंडी जिला प्रधान पवन गर्ग, उप प्रधान बजरंग असरावां, संजय नागपाल, नरेश राजलीवाला, पूर्व प्रधान संजय गोयल, मंदिर प्रधान अशोक गुप्ता, सचिव जगदीश गोदारा, खल चुरी एसोसिएशन के प्रधान त्रिलोक कंसल, पवन गोयल, व्यापार मंडल के संगठन मंत्री राजेंद्र बंसल, प्रदेश सहसचिव निरंजन गोयल आदि व्यापारी प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखें।

जिलाधिकारी के निर्देशन व अध्यक्षता में जनपद की तीनों तहसीलों में तहसील दिवस सम्पन्न

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। शासनादेश के मद्देनजर माह के प्रथम व तृतीय शनिवार हो सम्पूर्ण समाधान दिवस मनाया जाता है जिसके क्रम में जिलाधिकारी श्री दीपक मीणा के निर्देशन व अध्यक्षता में जनपद गाजियाबाद की तीनों तहसीलों मे सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया।

सदर तहसीलः जिलाधिकारी श्री दीपक मीणा की अध्यक्षता में जनपद की सदर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान 49 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से मौके पर 08 शिकायतों का निस्तारण करते हुए फीडबैक लेना सुनिश्चित किया जाये। इस दौरान एडीएम एल/ए श्री विवेक मिश्र, अपर नगर आयुक्त श्री अरूण कुमार, सीएमओ श्री अखिलेश मोहन, तहसीलदार श्री रवि सिंह, पुलिस विभाग के अधिका ?री सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

लोनी तहसीलः एडीएम ई श्री रणविजय सिंह की अध्यक्षता में लोनी तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। इस दौरान कुल 69 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 02 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान एसडीएम श्री राजेन्द्र कुमार, तहसीलदार सहित जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन के एफ/आर श्री सौरभ भट्ट की अध्यक्षता में मोदीनगर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 56 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से मौके पर 02 शिकायतों का निरस्तारण किया गया। इस दौरान एसडीएम, एसीपी मोदीनगर, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

इस प्रकार तीनों तहसीलों में सदर 49, मोदीनगर 56 व लोनी में 69 शिकायतें प्राप्त हुई। कुल प्राप्त 174 शिकायतें में से 12 शिकायतों को मौके पर निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु अध्यक्ष महोदय द्वारा सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

भाजपा के संस्थापक सदस्य देशराज देशी का निधन, पार्टी में शोक की लहर

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। भाजपा के वरिष्ठ नेता और संस्थापक सदस्य देशराज देशी का शनिवार देर रात दुखद निधन हो गया। संघ काल से भगवा विचारधारा से जुड़े और तीन वर्षों तक वर्तमान कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा के साथ महानगर भाजपा महामंत्री की जिम्मेदारी निभाने वाले देशराज देशी के आकस्मिक निधन से भाजपा समेत पूरे राजनीतिक गलियारे में शोक की लहर दौड़ गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, देशराज देशी देर रात बाथरूम में गिर गए, और जब तक उन्हें संभाला जाता, तब तक उनका निधन हो चुका था। वह अपने पैतृक आवास पर अकेले रहते थे, जबकि उनकी पत्नी और बेटा कुणाल गुड़गांव में निवास करते हैं। जैसे ही यह दुखद समाचार परिजनों को मिला, वे तुरंत गाजियाबाद पहुंच गए। उनका अंतिम संस्कार आज दोपहर करीब दो बजे हिंडन स्थित शमशान घाट पर किया जाएगा। अंतिम दर्शन के लिए उनके आवास पर बड़ी संख्या में भाजपा नेता, पदाधिकारी, और शुभचिंतक पहुंच रहे हैं। देशराज देशी के निधन की खबर मिलते ही गाजियाबाद के विधायक संजीव शर्मा, पूर्व पार्षद और नगर निगम के पूर्व उपाध्यक्ष सुनील यादव, प्राइवेट स्कूल ऑनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी सरदार जोगेंद्र सिंह सहित कई प्रमुख हस्तियां उनके आवास पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे। शहर विधायक संजीव शर्मा ने सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए लिखा पूर्व महानगर अध्यक्ष के निधन से मन बहुत व्यथित है। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। वहीं, साहिबाबाद विधायक और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से अपने पुराने साथी को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने देशराज के साथ बिताए संघर्ष के दिनों को याद करते हुए लिखा कि देशराज देशी जी का साथ एक संघर्षशील, निष्ठावान और सच्चे कार्यकर्ता का साथ था। उनका निधन व्यक्तिगत क्षति है। देशराज देशी का जुड़ाव जनसंघ के जमाने से रहा है। वे भाजपा के शुरूआती स्तंभों में से एक माने जाते थे। संगठनात्मक मजबूती, कार्यकताओं से जुड़ाव और प्रतिबद्धता के लिए वे हमेशा याद किए जाएंगे।

गाजियाबाद में 'कार-ओ-बार' अभियान के तहत 641 लोग हिरासत में, 400 वाहन चालान

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। शहर में सार्वजनिक स्थानों और वाहनों में बैठकर शराब पीने वालों के खिलाफ पुलिस ने 'कार-ओ-बार' अभियान चलाया। शुक्रवार शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक चले इस विशेष अभियान में पुलिस ने 641 लोगों को हिरासत में लिया और 400 वाहनों के चालान किए।

पुलिस आयुक्त जे. रविंद्र गौड़ के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान में एडिशनल पुलिस आयुक्त अपराध एवं कानून व्यवस्था आलोक प्रियदर्शी के नेतृत्व में सभी थाना क्षेत्रों में सघन चेकिंग की गई। नगर जोन में 177, ट्रांस हिंडन जोन में 226 और ग्रामीण जोन में 238 लोगों को पकड़ा गया। इन सभी के खिलाफ धारा 34 पुलिस अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

इसके अलावा, नगर जोन में 122, ट्रांस हिंडन जोन में 170, ग्रामीण जोन में 83 और यातायात पुलिस द्वारा 25 वाहनों के चालान किए गए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने से आमजन को असुविधा होती है, इसलिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

गाजियाबाद। थाना ट्रोनिका सिटी क्षेत्र की पूजा कॉलोनी में शनिवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक 18 वर्षीय विवाहिता सानिया का शव छत पर लगे कुंदे से चुन्नी के सहारे लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने आनन-फानन में महिला को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सानिया के पति जीशान ने बताया कि जब वह सुबह उठे तो उन्होंने देखा कि उनकी पत्नी छत पर फंदे से लटकी हुई है। उन्होंने तुरंत शोर मचाया और आसपास के लोगों को बुलाकर फंदे से उतारकर दिल्ली के जीटीबी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद सानिया को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि शिकायत मिलने पर मामले की जांच की जाएगी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गाजियाबाद नगर निगम बना प्रदेश में प्लास्टिक मुक्त अभियान का अग्रणी, पहले स्थान पर किया कब्जा

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम ने नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। शहर को पॉलिथीन और प्लास्टिक से मुक्त करने के लिए निगम द्वारा चलाया जा रहा अभियान अब प्रदेश के लिए एक मिसाल बन चुका है। राज्य के 17 नगर निकायों में चलाए गए प्लास्टिक प्रतिबंध अभियानों में गाजियाबाद ने प्रथम स्थान प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया है कि संगठित प्रयासों और जनसहयोग से बड़े बदलाव संभव हैं।

नगर निगम के अनुसार, अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग और प्रवर्तन दल के समन्वित प्रयासों से कई महाअभियान सफलतापूर्वक पूरे किए गए। प्रत्येक जोन में रोस्टर के अनुसार जोनल प्रभारियों के साथ मिलकर नियमित कार्रवाई की जा रही है। नगर आयुक्त ने बताया कि जहां पिछले वर्ष गाजियाबाद इस अभियान में तीसरे स्थान पर था, वहीं इस बार लगातार प्रयासों और कड़ी मेहनत के चलते यह पहले स्थान पर आ गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान गाजियाबाद नगर निगम ने प्लास्टिक प्रतिबंध अभियान के तहत लगभग 85 लाख रुपये की वसूली की है। इसके बाद वाराणसी ने लगभग 45 लाख और लखनऊ नगर निगम ने 40 लाख रुपये की वसूली की। ये आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि गाजियाबाद नगर निगम ने इस अभियान को न केवल गंभीरता से लिया, बल्कि ठोस कार्ययोजना के तहत उसका प्रभावी क्रियान्वयन भी किया। प्रवर्तन दल प्रभारी कर्नल दीपक शरण के निर्देशन में यह अभियान लगातार तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। नगर आयुक्त ने उनकी सक्रियता और टीम के योगदान की विशेष सराहना की है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि आगे भी इस अभियान को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए नई योजनाएं तैयार की जा रही हैं।

नगर आयुक्त ने यह भी बताया कि गाजियाबाद में जहां एक ओर विकास कार्यों की गति बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर जल प्राधिकरण और नागरिकों के सहयोग से यह अभियान भी सफल हो रहा है। जनता द्वारा प्रतिबंधित प्लास्टिक का बहिष्कार इस अभियान को गति दे रहा है और यह बदलाव अब सामाजिक स्वीकृति भी पा रहा है।

प्यार का दिखावा कर शादी, फिर जातिसूचक टिप्पणी व दहेज की मांग

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। टीला मोड़ थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने अपने पति और ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न, जातिसूचक टिप्पणी, घरेलू हिंसा और जहर देकर हत्या की कोशिश का आरोप लगाया है। पीड़िता खुशी, निवासी गगन विहार भौपुरा ने पुलिस में दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि उसका पति अभय चंदेला और उसके परिवार ने शादी के कुछ समय बाद ही अत्याचारों की सारी हदें पार कर दीं।

खुशी ने आरोप लगाया कि अभय चंदेला ने एक साल तक प्यार का नाटक किया और 7 अप्रैल 2024 को आर्य समाज मंदिर में शादी की। शादी के शुरूआती दिनों में सब कुछ सामान्य था, लेकिन जल्द ही पति ने जाति को लेकर ताना देना शुरू कर दिया और कहा कि वह ₹नीच जातिर की होने के कारण अपने समाज में उसका सामना नहीं कर सकता। कुछ ही समय में सास ममता, ससुर मुकेश, ननद प्राची और पति अभय ने मिलकर खुशी पर दहेज के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया। 5 लाख रुपये नकद और एक नई कार की मांग की गई। जब पीड़िता ने इनकार किया तो मारपीट शुरू हो गई। खुशी का आरोप है कि उसके ससुराल वालों ने उसे जबरन ऑलआउट लिक्विड पिलाने की कोशिश की ताकि उसकी हत्या को आत्महत्या दिखाया जा सके। 29 अप्रैल को सभी आरोपियों ने मिलकर खुशी के हाथ-पैर बांधे और डंडों से पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। बेहोशी की हालत से होश में आने के बाद खुशी ने अपनी मां को फोन कर बुलाया। जब उसकी मां और रिश्तेदार पहुंचे तो आरोपियों ने गाली-गलौच और हथियार दिखाकर धमकाया कि दूसरी बेटी को गोली मार देंगे।

अवैध निर्माण व कॉलोनियों पर प्राधिकरण की बड़ी कार्रवाई, कई बाउंड्रीवाल व सड़कें ध्वस्त

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। उपाध्यक्ष महोदय के निदेशों पर अवैध निमार्णों और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 3 मई 2025 को प्रवर्तन जोन-3 की टीम ने श्री आदेश कुमार त्यागी के नेतृत्व में सैक्टर-23, संजयनगर, ग्राम सदरपुर शिववालय और ग्राम मटियाला में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। पी-39, सैक्टर-23, संजयनगर में अनाधिकृत रूप से बनाई गई बाउंड्रीवाल को ध्वस्त किया गया। ग्राम सदरपुर शिववालय (खसरा सं. 655) में श्री जगदीश यादव एवं श्री नीरज चौधरी द्वारा विकसित की जा रही करीब 7 बीघे की कॉलोनी की बाउंड्रीवाल व सड़कें तोड़ी गईं। ग्राम मटियाला (खसरा सं. 349 व 417) में श्री विनीत सेहरावत द्वारा लगभग 12 बीघे में तैयार की जा रही अवैध कॉलोनी पर भी बुलडोजर चला। ध्वस्तीकरण के दौरान स्थानीय विकासकताओं व निर्माणकताओं ने विरोध किया, लेकिन स्थानीय पुलिस व प्राधिकरण पुलिस बल की सहायता से कार्रवाई निर्बाध जारी रखी गई। प्राधिकरण ने मौके पर मौजूद लोगों से अवैध कॉलोनियों में भूखंडों की खरीद-फरोख्त से बचने की अपील की है। कार्रवाई के समय अधिशासी अभियंता, अवर अभियंता, सुपरवाइजर/मेट, स्थानीय पुलिस और प्राधिकरण पुलिस बल मौजूद रहा।

गाजियाबाद में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की कवायद, वार्ड स्तर तक कमेटियों के गठन पर जोर

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। कांग्रेस पार्टी ने संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए गांव, ब्लॉक और नगर निकायों के वार्डों में सक्रिय कार्यकताओं की मजबूत कमेटियों के गठन की योजना बनाई है। शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी की पहली मासिक बैठक में इस दिशा में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा की अध्यक्षता में पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने संगठनात्मक मजबूती पर बल देते हुए सुझाव दिए कि गांवों से लेकर वार्ड स्तर तक सक्रिय कार्यकताओं की कमेटियां गठित की जाएं। इससे संगठन की पकड़ मजबूत होगी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मेहनत भी रंग लाएगी।

बैठक में निर्णय लिया गया कि सोमवार को प्रातः 11 बजे नगर और ब्लॉक अध्यक्षों की बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें कमेटियों को अंतिम रूप देने पर चर्चा होगी। इस बैठक में महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव, पूर्व मंत्री सतीश शर्मा, पूर्व विधायक केके शर्मा, डॉ. संजीव शर्मा, सुशांत गोयल, पूर्व महानगर अध्यक्ष लोकेश चौधरी, सतीश त्यागी, पूर्व जिलाध्यक्ष विनीत त्यागी, नेत्री पूजा चड्ढा, सविता गौतम, नसीम खान, मीडिया प्रभारी आशुतोष गुप्ता सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव ने बताया कि महानगर में शीघ्र ही सभी वार्ड अध्यक्षों का चयन किया जाएगा और सभी 100 वार्डों में पदयात्रा निकालने का निर्णय लिया गया है। इससे संगठन की जमीनी पकड़ और मजबूत होगी।

राकेश टिकैत पर हमले के विरोध में गरजा किसान आंदोलन गाजियाबाद में सड़कों पर उतरे भाकियू कार्यकर्ता

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत पर शुक्रवार को हुए कथित हमले को लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसान आक्रोशित हैं। शनिवार को इस घटना के विरोध में जहां मुजफ्फरनगर में महापंचायत का आयोजन किया गया, वहीं गाजियाबाद में भाकियू समर्थकों ने सड़क जाम कर जोरदार प्रदर्शन किया। शनिवार को किसान संघर्ष समिति वेब सिटी और किसान सेना के नेतृत्व में बड़ी संख्या में भाकियू कार्यकर्ता हापुड़ चुंगी पर एकत्र हुए और सड़क पर बैठकर विरोध जताया। इस दौरान राकेश टिकैत के साथ हुई धक्का-मुक्की और पगड़ी उछालने की घटना के खिलाफ गुस्साए किसानों ने केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और प्रदर्शनकारियों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया। स्थिति को नियंत्रण में लाते हुए पुलिस ने यातायात बहाल किया। किसान संघर्ष समिति के अनुज कुमार ने कहा कि यह हमला सिर्फ राकेश टिकैत पर नहीं, बल्कि देश के हर किसान की अस्मिता पर हमला है। उन्होंने कहा कि ह्लटिकैत की पगड़ी नहीं, देश के करोड़ों किसानों की पगड़ी उछाली गई है। इसका जवाब भाजपा को मिलेगा। किसान सेना के अवनीत पंवार ने बताया कि शुक्रवार की घटना के बाद मुजफ्फरनगर में हो रही महापंचायत में बड़े फैसले लिए जाएंगे। भाकियू जिलाध्यक्ष चौ. विजेंद्र सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि घटना का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नए-नए हिंदू बने लोगों को समझाया जाएगा कि असली हिंदू कौन है। टिकैत ने कोई विवादास्पद बयान नहीं दिया था, और जो हुआ, वह पूरी तरह निंदनीय है।

राकेश टिकैत पर हमले और किसानों के गुस्से के बीच मुजफ्फरनगर में हो रही महापंचायत पर सभी की निगाहें टिकी हैं। माना जा रहा है कि किसान आंदोलन को लेकर यहां से नए कदमों की घोषणा हो सकती है।

मोदी का जातीय जनगणना का निर्णय ऐतिहासिक और साहसिक: नरेन्द्र कश्यप

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। जल निगम गेस्ट हाउस में आयोजित एक अहम प्रेस वार्ता के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री नरेंद्र कश्यप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जातीय जनगणना कराए जाने के फैसले को भारतीय राजनीति में ऐतिहासिक और साहसिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय विशेष रूप से ओबीसी और अति पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। मंत्री कश्यप ने कहा कि देश में अंतिम बार जातीय जनगणना 1931 में हुई थी और इसके बाद 94 वर्षों तक कांग्रेस व अन्य गैर-भाजपा सरकारें सत्ता में रहीं, लेकिन उन्होंने कभी ओबीसी वर्ग की वास्तविक संख्या जानने की कोशिश नहीं की। अब जब प्रधानमंत्री मोदी ने यह कदम उठाया है, तो वही लोग जो पहले इसके विरोधी थे, अब श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं।

कश्यप ने कांग्रेस, सपा, राजद और बसपा जैसे दलों पर पिछड़ा विरोधी मानसिकता रखने का आरोप लगाया और कहा कि यदि गांधी परिवार की नीयत सही होती तो आजादी के बाद ही ओबीसी समाज को आरक्षण मिल गया होता। उन्होंने काका कालेलकर आयोग और मंडल आयोग की रिपोर्टों का हवाला देते हुए कांग्रेस की निष्क्रियता पर सवाल उठाया। मंत्री कश्यप ने जानकारी दी कि ओबीसी मोर्चा पूरे उत्तर प्रदेश के जिलों, मंडलों और क्षेत्रों में प्रधानमंत्री मोदी का आभार प्रकट करेगा और इस निर्णय के समर्थन में व्यापक स्तर पर जश्न मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों में ओबीसी मोर्चा प्रधानमंत्री मोदी के समर्थन में और मजबूती से खड़ा रहेगा। प्रेस वार्ता में महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, मनोज यादव, सौरभ जायसवाल, देवेंद्र यादव, राजेश गुप्ता, गौरव चोपड़ा, अनिल गर्ग, आकाश ठाकुर, और रोहित गौतम समेत कई वरिष्ठ भाजपा नेता मौजूद रहे।